जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, शनिवार 17 जनवरी, 2026

देशी गन्ने से जैविक प्रोसेस द्वारा बना..
देशी गुड़ और देशी गुड़ पाउडर

- जंगली भिंडी (अबेल्मास्कुस मानीहाट) के रस से प्रोसेस किया हुआ जैविक गुड़
- No Additives • No Bleaching
- 100% केमिकल फ्री प्रोसेसिंग
- गन्ने के रस से देशी तरीके से बना
- कास्टिक सोडा रहित

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

KEDIA™
Pavitra

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

विचार बिन्दु

दूसरों के अनुभव से होशियारी सीखने की मनुष्य को इच्छा नहीं होती, उसको स्वतंत्र ठोकरें चाहिए। –विनोबा

राजस्थान में सड़क हादसों का बढ़ता प्रकोप और सरकार की सशक्त पहल

राजस्थान की विस्तृत सड़के, जो कभी पर्यटकों और यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही हैं, आजकल मौत का पर्याय बन चुकी हैं। सुनसान राजमार्गों पर दौड़ते वाहन अब परिवारों को छीन ले जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से सड़क हादसों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। 2025 में यह चरम पर पहुंच गई, जब राज्य पुलिस के आंकड़ों के अनुसार करीब 22,000 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 12,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई। यह संख्या पिछले पांच वर्षों के औसत से 15–20 प्रतिशत अधिक है। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की बिखरती हुई दुनिया का प्रतिबिंब हैं। तेज रफ्तार, लापरवाही, खराब सड़कें और शराब का सेवन जैसे कारक इन हादसों को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन राजस्थान सरकार ने इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने के लिए सशक्त और बहुआयामी उपाय अपनाए हैं, जो उल्लेखनीय सफलता की ओर अग्रसर हैं। इस आलेख में हम सड़क हादसों के बढ़ते आंकड़ों, प्रभावित परिवारों की पीड़ा और सरकारी प्रयासों की सकारात्मक पड़ताल करेंगे।

राजस्थान में सड़क हादसों की समस्या नई नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में यह महामारी की तरह फैल गई है। 2021 से 2024 तक औसतन प्रति वर्ष 18,000 से 20,000 हादसे दर्ज हुए थे, जबकि 2025 में यह आंकड़ा 22,500 तक पहुंच गया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट बताती है कि राजस्थान देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां सड़क हादसों से होने वाली मौतों का अनुपात जनसंख्या के हिसाब से सबसे अधिक है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा जैसे बड़े शहरों के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी हादसे बढ़े हैं। हर दिन औसतन 30–35 मौतें हो रही हैं, जो राज्य की प्रगति को झकझोर रही हैं।

मुख्य कारणों में वाहनों की तेज गति प्रमुख है। राज्य में नेशनल हाईवे की कुल लंबाई 8,000 किलोमीटर से अधिक है, जो दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे और अन्य राजमार्गों से जुड़ी हैं। इन पर ट्रक, बसें और निजी वाहन अत्यधिक रफ्तार से दौड़ते हैं। दूसरा बड़ा कारण सड़कों की खराब स्थिति और मानवीय लापरवाही है। राजस्थान का अधिकांश हिस्सा रेगिस्तानी इलाका है, जहां मौसम की मार से सड़कें टूट–फूट जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर–ट्रॉली और बाइक दुर्घटनाएं आम हैं। महामारी के बाद वाहनों की संख्या में 25 प्रतिशत वृद्धि हुई, जिसने यातायात दबाव को बढ़ा दिया। शराब का सेवन, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के यात्रा तथा ओवरलोडेड वाहन भी प्रमुख कारक हैं। इनके चलते न केवल जानें जा रही हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी अरबों का नुकसान हो रहा है।

इन आंकड़ों के पीछे छिपी है परिवारों की अनकही व्यथा, जो किसी उपन्यास से कम नहीं। जयपुर के निकटवर्ती गांव में रहने वाले रामलाल की कहानी इसका जीता–जागता उदाहरण है। पिछले साल उनकी इकलौती बेटी मीरा, जो मात्र 22 वर्ष की थी, जयपुर से सिरोही लौटते हुए बस दुर्घटना में मारी गई। मीरा एक नर्स थी, जो परिवार का सहारा बनी हुई थी। हादसे के बाद रामलाल का परिवार टूट गया। पत्नी सदमा सहन न कर सकी और कुछ ही महीनों में चल बसी। रामलाल बताते हैं, ''एक पल में सब कुछ छिन गया। अब मजदूरी करके गुजारा हो रहा है।'' ऐसी हजारों कहानियां राज्य भर में बिखरी पड़ी हैं।

उदयपुर जिले का एक और मार्मिक उदाहरण है। 2025 की दीवाली पर पिता–पुत्र जोधपुर से बाइक पर लौट रहे थे। सामने आ रहे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। मां और दो बेटियां अब अनाथ–सी हो गईं। एक सर्वे के अनुसार, प्रत्येक हादसे से औसतन चार–पांच लोग अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होते हैं। आर्थिक संकट, भावनात्मक आघात और सामाजिक अलगाव इन परिवारों को वर्षों तक जकड़े रहता है। मनोवैज्ञानिक रूप से ये हादसे विनाशकारी हैं, जिससे अवसाद और आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं। सरकार इन परिवारों के लिए त्वरित मुआवजा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, लेकिन घाव इतने गहरे हैं कि पूर्ण उपचार कठिन है।

> **राजस्थान में सड़क हादसे परिवारों के लिए त्रासदी हैं, लेकिन सरकार की सकारात्मक और सक्रिय पहल आशा की किरण है। निरंतर प्रयासों से यह सिलसिला थमेगा। जनता का सहयोग मिले जैसे सुरक्षित ड्राइविंग का संकल्प, जागरूकता प्रसार और नियमों का पालन तो सुरक्षित राजस्थान का सपना साकार होगा। 2026 के लिए ड्रोन निगरानी और स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम की योजना है, जो हादसों को 30 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखती है।**

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में कई चुनौतियां बरकरार हैं। रोड सेफ्टी फाउंडेशन जैसी संस्थाएं सरकार के साथ मिलकर हेलमेट वितरण और जागरूकता रैलियां आयोजित कर रही हैं, लेकिन युवाओं को लक्षित अभियान की कमी है। सोशल मीडिया पर वीडियो कैंपेन चलाए जा सकते हैं। सख्त कानून लागू हों, जैसे ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अनिवार्य ट्रेनिंग। सड़क डिजाइन में मानवीय त्रुटि को ध्यान में रखा जाए। राज्य सरकार ने केंद्रीय सड़क कोष से 2,000 करोड़ रुपये लिए, लेकिन व्यय में पारदर्शिता की कमी रही। शराबबंदी अभियान चला, किंतु रात के समय चेकिंग कमजोर है। ट्रैफिक पुलिस की संख्या अपर्याप्त है, प्रति लाख वाहनों पर मात्र 10 पुलिसकर्मी। ग्रामीण सड़कों पर तो कोई निगरानी ही नहीं। हाल में परिवहन मंत्री ने घोषणा की कि 2026 में ड्रोन से निगरानी और एआई आधारित सिस्टम लगाया जाएगा। लेकिन बिना जनभागीदारी के ये प्रयास अधूरे रहेंगे।

राजस्थान सरकार ने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। 2023 में लॉन्च की गई राजस्थान रोड सेफ्टी पॉलिसी 2023–2030 एक मील का पत्थर साबित हुई। इस नीति के तहत 5,000 से अधिक एआई–संचालित स्पीड कैमरे लगाए गए, जिनसे 2025 में 50 लाख से अधिक ई–चालान जारी हुए। इससे तेज रफ्तार में 20 प्रतिशत कमी आई। मुख्यमंत्री की सुरक्षित राजस्थान अभियान ने 10 लाख से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी, जिसमें हेलमेट, सीट बेल्ट और सुरक्षित ड्राइविंग सिखाई गई। स्कूलों–कॉलेजों में अनिवार्य सत्र चलाए गए, जिससे नई पीढ़ी में जागरूकता बढ़ी।

बुनियादी ढांचे में भारी निवेश हुआ है। केंद्रीय सड़क कोष से 2,500 करोड़ रुपये लेकर 300 से अधिक ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त किया गया। जयपुर–अजमेर और जयपुर–आगरा हाईवे पर फ्लाईओवर और डिवाइडर बनाए गए, जिससे हादसों में 25 प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई। ग्रामीण सड़कों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 5,000 किलोमीटर सड़कें पुनर्निर्मित हुईं। शराबबंदी के लिए नो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई गई रात 10 बजे के बाद विशेष चेकिंग दस्तों ने 40,000 से अधिक वाहन पकड़े। परिवहन विभाग ने ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर खोले, जहां 2 लाख ड्राइवरों को प्रमाणित किया गया।

2026 के लिए ड्रोन निगरानी और स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम की योजना है, जो हादसों को 30 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखती है। एनजीओ के साथ साझेदारी में जागरूकता रैलियां और सोशल मीडिया कैंपेन चले, जिन्हें करोड़ों लोगों ने देखा। मुआवजा योजना को मजबूत किया गया अब 5 लाख तक तत्काल सहायता मिलती है, साथ ही परिवारों के लिए कौशल प्रशिक्षण। ये प्रयास न केवल हादसों को रोक रहे हैं, बल्कि राजस्थान को सुरक्षित राज्य बनाने की दिशा में मजबूत कदम हैं। 2025 की दूसरी छमाही में हादसों में 10 प्रतिशत कमी इसका प्रमाण है।

राजस्थान में सड़क हादसे परिवारों के लिए त्रासदी हैं, लेकिन सरकार की सकारात्मक और सक्रिय पहल आशा की किरण है। निरंतर प्रयासों से यह सिलसिला थमेगा। जनता का सहयोग मिले जैसे सुरक्षित ड्राइविंग का संकल्प, जागरूकता प्रसार और नियमों का पालन तो सुरक्षित राजस्थान का सपना साकार होगा। आइए, हम सब मिलकर इस दिशा में कदम बढ़ाएं।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

संविधान और संविधान सभा में भारतीय विरासत

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

संविधान सभा में बहस के समय वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत, स्मृतियों, शंकराचार्य, तुलसीदास, सूरदास, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, आदि का स्मरण किया गया था। स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, न्याय शब्द भाषा की दृष्टि से नए हो सकते हैं परन्तु भारतीय परंपरा और राजनीती में न्याय, समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व का उल्लेख मिलता है। संविधान सभा की चर्चा इस पक्ष को समझने में सार्थक है। उद्देश्य संकल्प से लेकर अंतिम वाचन तक स्पष्ट होता है कि भारतीय विधि शास्त्र, शासन के सिद्धांत समृद्ध है , युगधर्म के अनुसार संस्थाओं का निर्माण वैदिक ज्ञान –आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः के अनुसार ही किया है। गणतंत्र के 76 वर्ष को ईमानदारी से समझने के लिए संविधान सभा की डिबेट्स का अध्यन अपरिहार्य है। जिससे हम भारत के लोग समझ सके कि संविधान सभा की अभीप्सा, लक्ष्य और भावना को संविधान ने कितना सहयोग दिया है और नागरिको की कितनी सार्थक भागीदारी रही। कुछ निम्नलिखित उदाहरणों से प्रयास है संविधान, और संविधान सभा में भारतीय विरासत को समझने का –

20 जनवरी 1947 (उद्देश्य संकल्प –प्राचीन भारत में गणतंत्र व्यवस्था) डॉ. राधा कृष्णन – ''जब उत्तर से कुछ व्यापारी दक्षिण की ओर गए, तो दक्कन के राजकुमारों में से एक ने सवाल पूछा। ''आपका राजा कौन है?'' जवाब था, ''हममें से कुछ सभाओं द्वारा शासित होते हैं, कुछ राजाओं द्वारा।'' केसीड देसो गणाधिना केसीड राजाधीना।

पाणिनि, मेगस्थनीज और कौटिल्य प्राचीन भारत के गणराज्यों का उल्लेख करते हैं। महान बुद्ध कपिलवस्तु गणराज्य के थे। लोगों की संप्रभुता के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। हमने माना है कि अंतिम संप्रभुता नैतिक कानून, मानवता की अंतरात्मा पर निर्भर है। प्रजा और राजा दोनों उसके अधीन हैं। धर्म, राजाओं का राजा है।धर्मं क्षात्रस्य क्षत्रम्।यह जनता और स्वयं शासक दोनों का शासक है। यह कानून की संप्रभुता है जिसका हमने दावा किया है।''

21 जनवरी1947 (उद्देश्य संकल्प) श्री आर.वी. धुलेकर –एक हजार साल पहले, भारत, किसी कारण से, विकेन्द्रीकृत या विभाजित और विदेशियों के आक्रमणों का सामना करने में असफल रहने पर वे उनके प्रभुत्व में आ गए। उसी समय से भारतीय जनता के हृदय में स्वतन्त्रता की अग्नि निरन्तर धधक रही है। यह कभी ख़त्म नहीं हुआ. एक ओर यह अग्नि ऋषियों के रूप में प्रकट हुई। स्वामी रामदास, गोस्वामी तुलसीदास, गुरु नानक, स्वामी दयानंद, राम कृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द और राम तीरथ इसी अग्नि के प्रतीक हैं। दूसरी ओर, शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, राणा जैसे राजनेता और राजनेता झाँसी की प्रताप रानी, रानी लक्ष्मी बाई, राजा राम मोहन राय, लोकमान्य तिलक, मोतीलाल नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस भी इसी अग्नि के राजनीतिक प्रतीक थे।महात्मा गांधी और खान अब्दुल गफ्फार खान दोनों संत और राजनीतिज्ञ हैं। बाबर, हुमायूं और अकबर पर भारतीयों का उस हद तक स्वागत था, जिस हद तक वे खुद को भारत से जोड़ते थे। भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान एक भी दिन ऐसा नहीं बीता जब किसी भारतीय को आजादी के उत्साह के लिए जेल में यातनाएं न दी गई हों। आज़ादी की लड़ाई पिछले दो सौ वर्षों से लगातार चल रही है। ... 1940–52 के राष्ट्रीय आन्दोलन तथा हाल के महायुद्ध से उत्पन्न अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थिति ने इंग्लैण्ड को भारत छोड़ने के लिये बाध्य कर दिया। यह संविधान सभा उस शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है जो अंग्रेजों से जबरन छीनी गई है। यह उनका उपहार नहीं है।

28अगस्त 1947 (अनुसूचित जातियां) श्री उपेन्द्र नाथ बर्मन –''मैं निवेदन करता हूं कि हम, अनुसूचित जातियां, न केवल बाहर से बल्कि कांग्रेस के सदस्य के रूप में इस संविधान–निर्माण में पूरे दिल से शामिल हुए हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि हमारी निर्भरता की इस अवधि के दौरान हमारी जो भी कमियां रही हों, चाहे जो भी अपराध हमने किये हों। हमारे दुर्भाग्यपूर्ण समय के दौरान, हमारे बीच, विशेष रूप से बंगाल में, स्वामी विवेकानन्द और रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे पुरुष पैदा हुए थे, जिन्होंने हमारे अंदर भारत के कायाकल्प की आस्था और आशा को प्रेरित किया। अब, इस संविधान सभा में भाग लेने के दौरान और विभिन्न समितियों से मुझे यह विश्वास हो गया है कि आख़िरकार भारत की प्रतिभा ने ज़रूरत की घड़ी में उनको नहीं छोड़ा है।

27 दिसम्बर 1948 (ईश्वर के नाम में शपथ में) श्री एच.वी. कामथ– ''मैं सदन से अपील करूंगा कि हम एक अमर और एक आध्यात्मिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं, एक ऐसी विरासत जो न भौतिक है, न ही लौकिकः एक विरासत जो अध्यात्मिक है, जो शाश्वत है। आइए हम इस अमूल्य विरासत को बर्बाद न करें। आइए हम इस विरासत को नष्ट न करें: आइए हम अपनी प्राचीन विरासत, अपनी आध्यात्मिक प्रतिभा के प्रति सच्चे रहें। आइए हम उस मशाल को हल्के में न लें जो सौंपी गई है आइए हम स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में आध्यात्मिक रूप से दुनिया पर विजय पाने की आकांक्षा रखें। आइए हम एक ऐसी राह बनाएं जो तब तक दुनिया की रोशनी बनी रहेगी जब तक सूर्य, चंद्रमा और सितारे बने रहेंगे।''

25 नवंबर 1948 (विश्व में भारत की भूमिका और अंतर्राष्ट्रीय शांति) प्रो. बीएच खारदेकर–''भारत का मिशन शांति का मिशन है। रामतीर्थ और स्वामी विवेकानन्द से लेकर टैगोर और गांधीजी तक, अगर उन्होंने कुछ किया है, तो उसे बहुत मजबूत किया है। पूरे इतिहास में, ऐसा इसलिए नहीं है कि हम कमजोर रहे हैं, बल्कि इसलिए कि यह हमारे खून में रहा है कि हम शांति के इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। अहिंसा हर भारतीय की मिट्टी और दिल में है। यह कोई नई बात नहीं है यह हमारे इतिहास, हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति के अनुरूप है कि हम शांति का देश हैं और हम यह देखना चाहते हैं कि दुनिया में शांति बनी रहे।'' इसी विचार को 23 नवम्बर 1949 को श्री आर.वी. धुलेकर ने कहा था कि–''स्वामी विवेकानन्द भारत के बाहर तलवार के मिशन के साथ नहीं, बल्कि शांति के मिशन के साथ गए थे।''

29 नवम्बर 1948(अस्पृश्यता निषेध) डॉ. मोनोमोहन दास –''न केवल महात्मा गांधी, बल्कि इस प्राचीन भूमि के अन्य महापुरुषों और दार्शनिकों, स्वामी विवेकानन्द, राजा राम मोहन राय, रवीन्द्रनाथ टैगोर और अन्य जिन्होंने इस (अस्पृश्यता) घृणित प्रथा के खिलाफ अथक संघर्ष किया, उन्हें भी आज यह देखकर बहुत खुशी होगी स्वतंत्र भारत ने, स्वतंत्र भारत ने अंततः भारतीय समाज के शरीर पर इस घातक घाव को दूर कर दिया है। एक हिंदू के रूप में, मैं आत्मा की अमरता में विश्वास करता हूं। इन महापुरुषों की आत्माएं, लेकिन जिनकी भक्ति और जीवन के लिए–लंबे समय से सेवारत भारत वह नहीं होता जो वह आज है, इस समय अस्पृश्यता की इस घृणित प्रथा को दूर करने के हमारे साहस और साहस पर हम पर मुस्कुरा रहा होता।''

5 नवम्बर 1948 (ग्राम पंचायत)श्री एच.वी. कामथ –मुझे नहीं पता कि उन्होंने श्री अरविंद द्वारा लिखित ''द स्पिरिट एंड फॉर्म ऑफ इंडियन पॉलिटी'' की किताब पढ़ी है या नहीं। इन किताबों से हमें पता चलता है कि प्राचीन काल में हमारी राजनीति किस तरह से स्वायत्त और आत्मनिर्भर ग्राम समुदायों पर आधारित थी; और यही कारण है किहमारी सभ्यता इतने युगों से बची हुई है। अगर हम अपनी राजनीति की ताकत को भूल जाते हैं तो हम सब कुछ खो देते हैं।

6 दिसम्बर 1948 (धर्म पर चर्चा) श्री एच.वी. कामथ–इस शब्द धर्म के वास्तविक अर्थ पर आते हुए, मैं दृढ़तापूर्वक कहता हूँ कि धर्म का सबसे व्यापक अर्थ धर्म या उसकी आत्मा के सच्चे मूल्यों से लगाया जाना चाहिए। धर्म, जिसे हमने अपनी संविधान सभा के शिखा या मुहर में अपनाया है और जिसे आप हमारी बहसों की मुद्रित कार्यवाही में पाएंगेः (''धर्म चक्र प्रवर्तनाय'') – श्रीमान, मेरे विचार से, उस भावना को भारतीय संघ के नागरिकों में समाहित किया जाना चाहिए। योग पर चर्चा के समय कामथ ने कहा कि महायोगी श्री अरविंद ने बार–बार कहा है कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता चेतना का रूपांतरण, योग के अनुशासन के माध्यम से मानवता का उच्च स्तर तक उत्थान है।

6 दिसम्बर 1948(धर्म– पर चर्चा) पंडित लक्ष्मीकांत मैत्र– ''महान स्वामी विवेकानन्द कहते थे कि भारत अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के कारण पूरी दुनिया में आदर और सम्मान का पात्र है। पश्चिमी दुनिया, भौतिकवादी सभ्यता की सारी ताकत से मजबूत, विज्ञान की उपलब्धियों से समृद्ध, प्रभुत्वशाली स्थिति रखती है विश्व आज आध्यात्मिक खजाने के अभाव के कारण गरीब है। और अब भारत ने इसमें कदम रखा है। भारत को इस समृद्ध आध्यात्मिक खजाने, अपने इस संदेश को पश्चिम से आयात करना होगा। यदि हमें ऐसा करना है, यदि हम हैं दुनिया को शिक्षित करने के लिए, अगर हमें भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में दुनिया में व्याप्त संदेह और गलत धारणाओं और भारी अज्ञानता को दूर करना है, तो यह अधिकार अंतर्निहित होना चाहिए, – अपने धार्मिक विश्वास को मानने और प्रचारित करने का अधिकार स्वीकार किया जाना चाहिए।''

19 नवम्बर 1949 (आध्यात्मिक विरासत –तृतीय वाचन) श्री एचवी कामथ–''हम भारत के लोग, अपनी आध्यात्मिक प्रतिभा और अपनी प्राचीन परम्पराओं को नहीं भूलेंगे। यह स्वामी विवेकानन्द ही थे जिन्होंने कहा था कि जिस दिन भारत भगवान को भूल जाता है, उसी दिन वह आध्यात्मिकता को भी भूल जाता है, जिस दिन आध्यात्मिकता मर जाएगी, उस दिन भारतभूमि दुनिया में एक ताकत बनना बंद कर देगी। मुझे आशा है कि हम इस तथ्य के बावजूद अपनी परंपराओं को जीवित रखेंगे कि हम प्रस्तावना में भगवान के नाम का आव्हान करना भूल गए। हम इस संविधान को दैवीय मार्गदर्शन की भावना से, दैवीय कृपा और आशीर्वाद के तहत काम करें। ....स्वामी विवेकानन्द ने भारत को आगे बढ़ने का आव्हान किया और वेदान्त का जाप किया मन्त्रम्–

उत्तिष्ठता जगराता प्राप्य वरानमिबोधता

जागो, उठो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए''।

17 नवम्बर 1949 (प्रिएम्बल – तृतीय वाचन) सेठ गोविंद दास – इस प्रिएम्बल में हमने स्पष्ट कर दिया है कि न्याय का प्रथम स्थान रहना सर्वथा उचित है। हमारे देश में सदा न्याय को ही प्रथम स्थान प्राप्त रहा है। यदि हम अपने प्राचीन इतिहास को देखें उस इतिहास की परम्परा को देखें तो हमें ज्ञात होगा कि इस देश में न्याय का प्रथम स्थान था। हमारे यहां कहा गया है:स्वस्ति प्रजाभ्यः परिपालयन्तां न्यायेन मार्गेण महीं महीशाः अर्थात् शासक न्याय मार्ग से प्रजा का पालन करें।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

तापमान लगातार 4 डिग्री से नीचे, फसलों को नुकसान की आशंका

श्रीगंगानगर। जिले में पिछले एक सप्ताह से मौसम पूरी तरह ड्राई बना हुआ है। सूखी कड़ाके की सवाई माधोपुर सवाई माधोपुर ठ्ठंड के चलते रात का न्यूनतम तापमान लगातार 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। इससे खेतों में पाला जमने लगा है और रबी फसलों पर संकट मंडराने लगा है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर मौसम ऐसे ही ड्राई बना रहा और तापमान में मामूली भी बढ़ोतरी हुई तो सरसों, आलू, गेहूं समेत अन्य रबी फसलों को और ज्यादा नुकसान हो सकता है।

कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले गुरुवार को न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री और अधिकतम 20.4 डिग्री रहा। वहीं बुधवार को न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री और अधिकतम 16.5 डिग्री दर्ज किया गया था।दिन में भी तापमान अपेक्षाकृत कम रहने से मौसम ड्राई बना हुआ है और सूखी ठ्ठंड लोगों को कंपकंपी छुड़ा रही है। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे तक इलाके में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के चलते विजिबिलिटी काफी कम हो

बनेवड़ा से अजमेर तक जन संघर्ष यात्रा, प्रशासन ने मानी दो मांगें

नसीराबाद,(निसं)। बनेवड़ा गांव व क्षेत्र की समस्याओं को लेकर बनेवड़ा संघर्ष समिति की जन संघर्ष यात्रा 15 जनवरी को ग्राम बनेवड़ा के शिव मंदिर से अजमेर जिला कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुई। यात्रा सुबह 9:15 बजे डीजे के साथ शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। संघर्ष समिति पिछले आठ वर्षों से जनसमस्याओं को लेकर लगातार सक्रिय है। इससे पहले भी समिति ने दो बार जयपुर तक साइकिल यात्रा निकालकर समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाई थीं। यात्रा के दौरान नसीराबाद सदर व नसीराबाद शहर पुलिस जाप्ता सुरक्षा व्यवस्था में साथ रहा और बलवंता सीमा तक यात्रा को रवाना किया गया।

यात्रा से पहले ही ग्राम पंचायत प्रशासन ने समिति की दो मांगों–ब्लॉक रोड निर्माण और आंगनबाड़ी कलर पुलिया निर्माण–पर काम शुरू कर दिया। इसके लिए पाइप मंगवाकर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, जिससे ग्रामीणों में संतोष देखा गया।

यात्रा का रास्ते में कई स्थानों पर स्वागत किया गया। रामदेवजी मंदिर बाघसुरी, अखरिया, नांदला, नसीराबाद, प्रेस क्लब नसीराबाद, शिवसेना नसीराबाद और राजपूत समाज नसीराबाद के लोगों ने यात्रा का अभिनंदन किया।

अजमेर पहुंचने से पहले यात्रा ने गांधी भवन में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इसके बाद जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर संघर्ष समिति ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

समिति ने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान समिति के कई सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

ज्योतिराव फूले की प्रतिमा लगाने का दिया ज्ञापन

मसूदा, (निसं)। शुक्रवार नगरपालिका मसूदा में समस्त माली समाज ने सूरज पोल गेट चौराहा पे महान समाज सुधारक शिक्षाविद महिला अधिकारो के प्रणेता ज्योतिराव फूले जी का प्रतिमा लगाने हेतु मसूदा नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी व मसूदा उपखण्ड अधिकारी दीपशिखा कालवी को ज्ञापन सोपा है।

जिसमे माली समाज के सभी प्रबुद्धजनों ने ज्ञापन में बताया है कि मसूदा के सूरज पोल गेट पर प्रतिमा लगाने हेतु पूर्व में मसूदा विधायक को भी मसूदा के सभी समाज के लोगो ने अनुरोध किया है। उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन में बताया है कि बहु संख्यक समाज की भावनाओं को महत्व देते हुए जल्द से जल्द यहा प्रतिमा लगवाने की मांग की। सेवानिवृत्त सैनिकों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में नया कदम ब्यावर में सीएमए –सीएटी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ ब्यावर (निसं) देश की तीनों सशस्त्र सेनाओं–थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना से सेवानिवृत्त शीघ्र सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ कास्ट अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया के द्वारा सर्टिफिकेट इन अकाउंटिंग टेक्नीशियन पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह पाठ्यक्रम सेवानिवृत्त सैनिकों के भविष्य को सशक्त एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर सूर्यमहल होटल में ब्यावर चेप्टर द्वारा इस कोर्स का शुभारंभ किया गया। चेयरमैन अंकुर सिंहल ने बताया कि ब्यावर शहर में नृसिंह अठासेन जैन विधापीठ में इस बैच की कक्षाएं चलाई जा रही हैं।

आज एयरफोर्स में कैप्टन प्रियांशु शर्मा, सीएमए के सेंट्रल काउंसिल सदस्य एवं केट कोर्स कमिटी के चेयरमैन राजेंद्र सिंह भाटी, जॉइंट डायरेक्टर राजेश जैन की उपस्थिति में इस कोर्स का शुभारंभ किया गया।कैप्टन प्रियांश शर्मा ने रक्षा विभाग द्वारा सीएमए इंस्टीट्यूट के साथ बनाये गए कैट कोर्स से सभी अभ्यर्थियों को अवगत करवाया। राजेंद्र सिंह भाटी ने सभी अभ्यर्थियों को रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस एवं अकाउंट सेक्टर में अपना भविष्य बनाने की सोच रहे अभ्यर्थियों को इस कोर्स की महत्वत्ता को बताया। राजेश जैन ने इस कोर्स के बाद प्लेसमेंट की योजनाओं पर प्रकाश डाला।ब्यावर शहर के सीएमए चैप्टर में अब तक 45 सैनिकों का पंजीकरण हो चुका है। यह एक नियमित पाठ्यक्रम होगा, जिसकी अवधि चार माह रहेगी। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्त सैनिक बैंक, निजी संस्थानों में लेखाकार के रूप में कार्य कर सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी स्वयं का स्वतंत्र प्रैक्टिस भी प्रारंभ कर सकते हैं।इस पाठ्यक्रम में केवल सेना से संबंधित कार्मिकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के विभिन्न चैप्टरों के माध्यम से, रक्षा मंत्रालय के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत देश के विभिन्न शहरों में संचालित किया जा रहा है।इस संबंध में जानकारी देते हुए रुपेश कोठारी ने बताया कि यह पहल सेवानिवृत्त सैनिकों को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।मंच का संचालन ज्योति माहेश्वरी ने किया।इस अवसर पर ब्यावर से सीएमए फाउंडेशन कोर्स में रैंक लाने वाले विद्यार्थियों का स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन अंकुर सिंहल, सचिव शुभम सांखला, वाइस चेयरमैन कमलेश सांखला, पूर्व चेयरमैन मितेश चौपड़ा, चिन्मय माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 17 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र प्रातः 8:12 तक, व्याघात योग रात्रि 9:18 तक, विष्टि करण दिन 11:13 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मकर, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज भद्रा दिन 11:13 तक है। बुध मकर में दिन 10:23 से प्रवेश करेगा। आज रटंती कालिका पूजन है और शब्बे मिराज (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:40 से 9:59 तक, चर 12:37 से 1:56 तक, लाभ–अमृत 1:56 से 4:33 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

मेष
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ–मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से विवाद हो सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मिथुन
परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह
आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 78 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 17 जनवरी, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल के लाडले सचिन राव के नाचने-गाने का वीडियो वायरल

वीडियो सचिन राव द्वारा चलाए जाने वाला एक प्रशिक्षण शिविर का है, जिसमें वे ट्रेनीज़ के साथ मज़े में नाच रहे हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले सचिन राव को उन सभी ट्रेनीज़ के साथ मज़े में नाचते हुए देखा जा सकता है, जिन्हें वे कथित तौर पर वर्धा के सेवाग्राम और देश के अन्य स्थानों पर आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षण देते हैं।

नाच से पहले, पुरुष और महिला प्रशिक्षुओं को आपस में कुश्ती करने के लिए कहा जाता है।

सचिन राव द्वारा भविष्य के कांग्रेस नेताओं को तैयार करने के लिए चलाए जा रहे इन प्रशिक्षण शिविरों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन उनके कोई जवाब सामने नहीं आए हैं।

सचिन राव द्वारा प्रशिक्षित नेता आखिर हैं कहां? कांग्रेस पार्टी के भविष्य पर उनका क्या प्रभाव रहा है?

इनमें से कितनों ने पार्टी की स्थिति को मजबूत किया है और कितने लोकसभा, विधानसभा तथा अब नगर निकाय चुनावों में पार्टी की जीत में निर्णायक भूमिका निभा पाए हैं?

- राहुल के नए सलाहकार समूह ''जय जगत'' के एक प्रमुख सदस्य हैं, सचिन राव और वे देश भर में कांग्रेस के नए नेताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर चलाते हैं, यह भी पता चला है कि वे महिला व पुरुष ट्रेनीज़ को आपस में कुश्ती भी लड़वाते हैं।
- वीडियो आने के बाद से सवाल उठ रहे हैं, क्या सचिन राव इस तरह से नए नेता तैयार कर रहे हैं?
- यह भी पूछा जा रहा है कि सचिन राव द्वारा प्रशिक्षित नेता आखिर हैं कहां और वे किस प्रकार से पार्टी की भावी संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं।
- यह भी पूछा जा रहा है कि क्या इनमें कोई भी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के सहायक बना है।
- पार्टी हल्कों में पूछा जा रहा है कि सचिन राव की बात को ध्यान से सुनने व उनकी सलाहों पर सक्रियता से अमल करने वाले राहुल गांधी इस वीडियो को देख कर क्या कोई एक्शन लेंगे।
- इन सवालों के जवाब मिलना बेहद जरुरी है, खासकर तब जबकि कांग्रेस पार्टी एक के बाद चुनाव हार रही है और पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरता जा रहा है।

मौजूदा हालात में सचिन राव को राहुल गांधी के बेहद करीबी के रूप में देखा जाता है। वे राहुल गांधी के नए सलाहकार समूह ''जय जगत'' के सदस्य भी हैं। इसके अलावा वे राहुल गांधी के अत्यंत निकट हैं, तथा राहुल उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हैं और उनकी सलाह पर सक्रिय रूप से अमल भी करते हैं।

लेकिन फिलहाल कांग्रेस पार्टी में लगातार अव्यवस्था की स्थिति में बनी हुई है और पार्टी एक के बाद एक चुनाव हार रही है, जिससे पूरी पार्टी का मनोबल गिर चुका है। इसके बावजूद, किसी ने भी राहुल गांधी के इस 'ब्लू-आइड बॉय' से यह पूछने की हिम्मत नहीं की है कि इन प्रशिक्षण सत्रों में वास्तव में होता क्या है और इनका फायदा आखिर किसे पहुंचता है!!!

राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का दल आज जयपुर में

जयपुर, 16 जनवरी। राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के बाद आयोजित भ्रमण कार्यक्रम के तहत शनिवार को अंतरराष्ट्रीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा जयपुर हवाई अड्डे

- दिन भर जयपुर के दर्शनीय स्थानों से भ्रमण के बाद उन्हें विधानसभा अध्यक्ष देवनानी के द्वारा रात्रि भोज दिया जाएगा।

पर सभी अतिथियों का गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से स्वागत किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह राजस्थान के लिए गर्व का विषय है कि विश्व के विभिन्न देशों से आए संसदीय प्रतिनिधि प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और अतिथि-सत्कार की परंपरा से रूबरू होंगे।

राजस्थान ''अतिथि देवो भव:'' की भावना के अनुरूप अपने अतिथियों का हृदय से स्वागत करेगा। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों को राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों और परंपरागत लोक कला से परिचित कराया जाएगा। इसके साथ ही राज्य की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिग्गी राजा को नहीं चाहिए राज्यसभा का तीसरा कार्यकाल

राहुल गांधी ने दिग्गी राजा के फैसले का स्वागत किया और कहा, उन्हें किसी बड़े पद पर लिया जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने घोषणा की है कि वे राज्यसभा के लिए तीसरा कार्यकाल नहीं मागेंगे। उनका वर्तमान छह वर्षीय कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 को समाप्त हो रहा है।

- कांग्रेस महासचिव तथा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है।
- बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एस सी प्रकोष्ठ के प्रमुख प्रदीप अहिरवार ने दिग्विजय सिंह को पत्र लिख कर तीसरा कार्यकाल नहीं लेने की अपील की थी ताकि किसी एस सी प्रत्याशी को यह सीट मिल सके।

यह निर्णय मध्य प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के अनुरोध के बाद आया है, जिन्होंने उनसे अनुसूचित जाति समुदाय के प्रतिनिधि के लिए रास्ता देने की अपील की थी।

अहिरवार ने मंगलवार को दिग्विजय सिंह को पत्र लिखकर आग्रह किया कि इस बार राज्यसभा में अनुसूचित जाति समुदाय से किसी प्रतिनिधि को भेजा जाए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह के दोबारा राज्यसभा न जाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि पार्टी में उन्हें किसी उपयुक्त पद पर समायोजित किया जायेगा। दिग्विजय सिंह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं।

जब दिग्विजय सिंह से अहिरवार के पत्र के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''यह मेरे हाथ में नहीं है, लेकिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मैं राज्यसभा की अपनी सीट खाली कर रहा हूं।''

अपने पत्र में अहिरवार ने इस बात पर जोर दिया कि इससे दलित आत्मसम्मान और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा, जो सामाजिक संतुलन और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होगा।

अहिरवार ने पत्र में लिखा, ''मध्य प्रदेश की लगभग 17 प्रतिशत अनुसूचित जाति आबादी की भावनाओं और अपेक्षाओं को आपके समक्ष रखते हुए, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि इस बार राज्यसभा में अनुसूचित जाति समुदाय से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। यह न केवल सामाजिक संतुलन और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप होगा, बल्कि दलित समुदाय के आत्मसम्मान और राजनीतिक भागीदारी को भी मजबूत करेगा।''

दिग्विजय सिंह 2014 से राज्यसभा सांसद हैं और वे दो लोकसभा चुनाव (2019 और 2024) हार चुके हैं। इससे पहले, वे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में 1993 से 1998 और 1998 से 2003 तक लगातार दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस के सभी 6 विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं

चर्चा है कि सभी 6 विधायक नीतीश के संपर्क में हैं और जद यू में शामिल हो सकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर बिहार कांग्रेस द्वारा सदाकत आश्रम मुख्यालय में आयोजित ''दही-चूड़ा'' भोज के बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है, क्योंकि पार्टी के छह में से एक भी विधायक इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुआ।

बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त हुए अभी कुछ ही महीने हुए हैं, लेकिन राज्य में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज होती दिख रही है। कांग्रेस और एनडीए के सहयोगी दलों से संभावित टूट को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जद (यू) के संपर्क में बताए जा रहे हैं, जिससे सामूहिक पाला-बदल की संभावना बन रही है।

- मकर संक्रांति पर बिहार में कांग्रेस मुख्यालय पर हुए दही-चूड़ा कार्यक्रम में पार्टी का एक भी विधायक नहीं पहुंचा, तो बिहार के राजनैतिक हलकों में कांग्रेस विधायकों के दल बदल की अटकलें शुरु हो गई।
- बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए में भाजपा और जद यू में अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने की होड़ लगी है। सुनने में आ रहा है कि भाजपा भी उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी के कुल 4 में से तीन विधायकों के संपर्क में हैं।

यदि यह कदम क्रियान्वित होता है, तो विधानसभा में राजद-नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन की अहम घटक कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं होगा।

इसी बीच, राज्य की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा भी अपनी ताकत को और मजबूत करने में जुटी बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एनडीए की घटक उपेन्द्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के चार में से तीन विधायक भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। यह सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर सत्ता के खेल और वर्चस्व की होड़ को भी दर्शाता है।

नवंबर 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए ने 202 सीटें जीती थीं। इनमें भाजपा को 89 और जद (यू) को 85 सीटें मिली थीं। महागठबंधन को कुल 35 सीटें मिलीं, जिनमें से 25 राजद के खाते में गईं। कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से छह पर जीत हासिल की थी।

सहायक अभियोजन अधिकारी के चयन पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जयपुर, 16 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती-2024 में सिर्फ चार अभ्यर्थियों के पास होने से जुड़े मामले में दायर याचिका पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस

- इस परीक्षा में केवल 4 अभ्यर्थी ही न्यूनतम अंक प्राप्त कर पास घोषित हुए थे।

समीर जैन ने यह आदेश सृष्टि सिंघल व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

सुनवाई के दौरान, आरपीएससी के परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता अदालत में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि पूर्व की कई भर्तियों में कई बार अभ्यर्थियों के शून्य से भी कम अंक आते थे। ऐसे में योग्य अभ्यर्थियों का चयन करने के लिए अब न्यूनतम अंक लाने की बाध्यता रखी गई है। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कहा कि याचिका में न्यूनतम अंक तय करने का मुद्दा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत को मृत अर्थव्यवस्था बताने वाले राहुल देश से माफी मांगें'

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करने के बाद भाजपा ने राहुल पर हमला बोला

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत की सराहना किए जाने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार को भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें निराशावाद का नेता (लीडर ऑफ पैसिमिज़्म) करार दिया।

आईएमएफ ने गुरुवार को कहा था कि भारत दुनिया के लिए मुख्य विकास इंजन है और देश की तीसरी तिमाही की आर्थिक वृद्धि अनुमान से कहीं बेहतर रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी भारतीय अर्थव्यवस्था के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण झूठ और बदनाम करने के लिए देश से माफी मांगेंगे।

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अनुमान से ज्यादा ताकतवर रूप में उभरी है।
- भाजपा के प्रवक्ता सीआर केसवन ने राहुल गांधी को ''लीडर ऑफ पैसिमिज़्म'' करार दिया और कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था की लगातार बुराई करने वाले राहुल गांधी को देश और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

केसवन ने कहा, एलओपी यानी 'निराशावाद के नेता' राहुल गांधी, जिन्होंने दुर्भावनापूर्ण तरीके से झूठ बोला और भारतीय अर्थव्यवस्था को बदनाम किया, क्या अब सार्वजनिक रूप से देश और जनता से माफी मांगेंगे? आईएमएफ द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की सराहना राहुल गांधी की फर्ज़ी कहानी और सस्ते राजनीतिक एजेंडा पर करारा तमाचा है, जिसने हमारे देश की उल्लेखनीय प्रगति और विकास को कमज़ोर करने की कोशिश की।

भाजपा नेता के अनुसार, राहुल गांधी को उनकी संकीर्ण और विफल राजनीतिक सोच के कारण देश की जनता बार-बार खारिज करती रही है, क्योंकि उन्हें अपने राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए देश को गाली देने और बदनाम करने में कोई संकोच या पछतावा नहीं है।

भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के लगातार आलोचक रहे राहुल गांधी ने पिछले साल अगस्त में भारतीय अर्थव्यवस्था को मरी हुई बताया था।

उन्होंने यह टिप्पणी उस बयान से सहमति जताते हुए की थी, जो तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर शुल्क लगाने के संदर्भ में दिया था।

राहुल गांधी ने तब कहा था, हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक तथ्य बताया है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है। यह बात प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर सब जानते हैं।

इस बयान के बाद भारी विवाद खड़ा हो गया था और सत्तारूढ़ दल के कई नेताओं ने कांग्रेस नेता की तीखी आलोचना की थी।

भाजपा अध्यक्ष पद का नामांकन 19 को व घोषणा 20 को

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा की।

पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने संगठन पर्व के तहत यह अधिसूचना जारी की। इसके अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद

- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कार्यक्रम घोषित।

के लिए नामांकन प्रक्रिया 19 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

डॉ. लक्ष्मण ने बताया कि 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। उसी दिन शाम 4 बजे से 5 बजे तक दाखिल नामांकनों की जांच और परीक्षण किया जायेगा। इसके बाद उम्मीदवार शाम 5 बजे से 6 बजे तक अपने नामांकन वापस ले सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की अपील ठुकराई

जस्टिस वर्मा ने अपनी अपील में उनके खिलाफ जाँच के लिए संसदीय समिति के गठन को चुनौती दी थी

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत, उनके महाभियोग के लिए लोकसभा अध्यक्ष द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति के फैसले को रद्द करने की मांग की थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 8 जनवरी को फैसला सुरक्षित रखने के बाद यह निर्णय सुनाया।

14 मार्च 2025 को जस्टिस वर्मा के नई दिल्ली आवास पर लगी आग के दौरान दमकलकर्मियों को बेहिसाबी नकदी मिली थी, जिसके बाद न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे।

न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोपों से इनकार किया, लेकिन उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से उनके मूल इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित कर दिया गया और आगे की कार्रवाई पर विचार किए जाने तक उनसे न्यायिक कार्य भी वापस ले लिया गया।

भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना (जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं) ने इस मामले में एक आंतरिक जांच शुरू की थी और अंततः न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफा देने या महाभियोग की कार्यवाही का सामना करने को कहा था। न्यायमूर्ति वर्मा ने पद छोड़ने से इनकार कर दिया था।

अगस्त में लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों द्वारा जस्टिस वर्मा के महाभियोग के लिए लाए गए प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद, उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की।

लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत, घटना

- इस जाँच समिति के गठन का फैसला लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला द्वारा ''जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट'' के तहत जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलाने की मंशा से किया गया था।
- जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने 8 जनवरी को फैसला रिज़र्व रखा था।
- जस्टिस यशवंत शर्मा जब दिल्ली हाई कोर्ट में थे तब 14 मार्च 2025 को उनके आवास में लगी आग में दमकल कर्मियों को अधजले नोटों की गड्डियाँ मिली थी तब से ही उनके खिलाफ जाँच चल रही है। घटना के बाद जस्टिस वर्मा को उनके मूल इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया था।

की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा ने इन कार्यवाहियों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

वर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को प्रक्रियात्मक आधार पर चुनौती दी। उन्होंने कहा कि हालांकि उनके महाभियोग के नोटिस लोकसभा और राज्यसभा दोनों में दिए गए थे, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने राज्यसभा के सभापति द्वारा प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने की प्रतीक्षा किए बिना एकतरफा रूप से जांच समिति गठित कर दी।

उनके वकील ने तर्क दिया कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम की धारा 3 के एक प्रावधान के अनुसार, जब महाभियोग प्रस्ताव दोनों सदनों में लाया जाता है, तो लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति के बीच संयुक्त परामर्श आवश्यक है। केवल उसके बाद ही जांच समिति गठित की जा सकती है।

लोकसभा के महासचिव ने इसका विरोध करते हुए कहा कि राज्यसभा ने महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया था, इसलिए उक्त प्रावधान लागू नहीं होता। उन्होंने बताया कि जुलाई में तत्कालीन सभापति (तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़) के इस्तीफे के बाद, 11 अगस्त 2025 को राज्यसभा के उपसभापति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

इसलिए लोकसभा के महासचिव ने दलील दी कि लोकसभा अध्यक्ष अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर रहते हुए महाभियोग की प्रक्रिया को स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह सक्षम थे।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने यह सवाल भी उठाया था कि क्या ऐसा कोई कानून है जो केवल इस आधार पर लोकसभा अध्यक्ष को जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही जारी रखने से रोकता हो कि उसी दिन राज्यसभा के उपसभापति ने ऐसा प्रस्ताव खारिज कर दिया था।

अदालत ने इस विचार से भी प्रथम दृष्टया असहमति जताई थी कि ऐसे मामलों में महाभियोग प्रस्ताव स्वतः विफल हो जाएगा।

न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा, मुकुल रोहतगी और जयंत मेहता ने पैरवी की। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने लोकसभा और राज्यसभा के पदाधिकारियों का प्रतिनिधित्व किया।

मारिया मचाडो ने अपना नोबल शांति पुरस्कार ट्रंप को भेंट किया

नयी दिल्ली/वॉशिंगटन, 16 जनवरी। नोबेल शांति पुरस्कार(2025) से सम्मानित मारिया कोरिना मचाडो ने अपना प्रतिष्ठित पुरस्कार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप

- नोबल समिति के अनुसार एक बार दिया हुआ शांति पुरस्कार हस्तांतरित, साझा या रद्द नहीं किया जा सकता।

को भेंट किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को मचाडो से मुलाकात के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी। वे एक अद्भुत महिला हैं, जो बहुत कुछ झेल चुकी हैं। मारिया ने मेरे द्वारा किए गए कार्यों के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार भेंट किया। आपसी सम्मान का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनएच-48 पर चलती कार पर फिर हुआ पथराव

डूंगरपुर। एक और जहां जिला पुलिस अधीक्षक अपराधी तत्वों के खिलाफ लगातार कार्यवाहियां करवा कर आमजन में लोक शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे है, उसके बावजूद पत्थरबाजी की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। उसके चलते आमजन में ऐसी घटनाओं से भय का वातावरण पनपता जा रहा है। जिसका सीधा असर इस क्षेत्र के कारोबार पर भी पडता नजर आ रहा है।

इसी तरह का एक मामला बिछीवाडा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर एक चलती कार पर पथराव किया गया। इस घटना में सलूंबर जिले का वरनौती परिवार बाल-बाल बच गया। गुरुवार रात को हुई इस घटना में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया,हालांकि किसी को चोट नहीं आई।

सलूंबर के सालवी मोहल्ला निवासी प्रवीण वरनौती, उनकी पत्नी मीना कुमारी सालवी और उनके दो बेटे प्रतीक व कविस वरनौती मकर संक्रांति की छुट्टियां मनाने अहमदाबाद गए थे। यह परिवार अहमदाबाद से वापस सलूंबर लौट रहा था

चित्तौडगढ़-उदयपुर हाईवे पर सड़क हादसे में चार की मौत

हादसा रात करीब एक बजे नरधारी क्षेत्र के पास हुआ, मृत बैल से टकराकर अनियंत्रित हुई थी कार

- **टक्कर इतनी तेज थी कि कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में जा पहुंची। तभी सामने से आ रहे एक ट्रेलर से कार की आमने-सामने की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।**
- **घटनास्थल का मंजर इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए।**

उदयपुर, 16 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान के चित्तौडगढ़ उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रात करीब एक बजे नरधारी क्षेत्र के पास हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कार चित्तौडगढ़ से उदयपुर की ओर आ थी। इसी दौरान हाईवे पर एक मृत बैल का शव सडक पर पड़ा था। अंधेरा होने के कारण कार चालक समय रहते उसे नहीं देख सका और वाहन सीधे उससे टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में जा पहुंची। तभी सामने से आ रहे एक ट्रेलर से कार की आमने.सामने की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रिंकेश नानवानी, सुहानी नानवानी और रजनी नानवानी निवासी सिंधी कॉलोनी,प्रताप नगर (चित्तौडगढ) तथा चौथे व्यक्ति की पहचान इंदौर निवासी हीरानंद नानवानी के रूप में हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त कार को सीधा कराया गया और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला गया तब तक चारों की मौत हो चुकी थी।घटनास्थल का मंजर इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिए ।

घोटाले के आरोपी के घर से दस्तावेज जब्त

श्रीगंगानगर। पंजाब एंड सिंध बैंक में करोड़ों रुपए के घोटाले का मामला सामने आया है। जयपुर से आई सीबीआई व एसीबी टीम ने जिला मुख्यालय पर एक मकान के छापेमारी की।

दिनभर सर्च के बाद मकान से मामले से जुड़े दस्तावेज और नकदी जब्त की गई है। हालांकि सीबीआई की ओर से इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार पंजाब एंड सिंध बैंक की शाखाओं में 13 म्यूल खाते खोलकर यह घोटाला किया गया है। सीबीआई टीम ने हनुमानगढ़ रोड पर निकुंज विहार स्थित अजय गर्ग के घर पर दबिश दी। घर में दिनभर चली तलाशी के बाद शाम को सीबीआई टीम वापस जयपुर लौट गई। इस छापेमारी को गोपनीय रखा गया। सीबीआई के अधिकारियों ने इस संबंध में कोई जानकारी आधिकारिक तौर पर साझा नहीं की। सूत्रों के अनुसार गोल बाजार स्थित शाखा में भी म्यूल खाता खोले जाने की बात सामने आई है। इस संबंध में जयपुर में मुकदमा दर्ज किया।

भरतपुर के घी कारोबारी के ठिकानों पर छापा

भरतपुर, (निसं)। दो महीने पहले कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने जिस फर्म की नकली घी की फैक्ट्री महुवा (दौसा) में पकड़ी, उस पर भरतपुर में शुक्रवार को आयकर विभाग की टीम ने छापा मार दिया। यह फर्म दाऊजी मिल्क फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड भरतपुर के घी कारोबारी प्रेमचंद की है।

घी कारोबारी के भरतपुर स्थित मकान-दुकान और आगरा (यूपी) स्थित फर्म पर आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी की। आयकर विभाग की एक टीम ने बिजली चौराहे पर कारोबारी की दाऊजी मिल्क फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड फर्म पर दस्तावेज खंगाले तो दूसरी टीम ने गोलबाग रोड स्थित आवास पर सर्च किया। टीम के सदस्यों ने किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार कर दिया। मकान को अंदर से बंद कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार घी कारोबारी प्रेमचंद के आगरा (यूपी) स्थित आवास और फर्म पर आयकर विभाग की टीम ने गुरुवार को छापा मारा था। इसके बाद शुक्रवार को टीम भरतपुर पहुंची और यहां प्रेमचंद की दुकान और घर पर एक साथ छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार प्रेमचंद की दुकान खाली पड़ी मिली। दुकान में सिर्फ कुर्सियां मिलीं।

पडोसियों ने बताया कि प्रेमचंद परिवार के साथ आगरा में ही रहता है। बता दें कि 3 नवंबर 2025 को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इसी फर्म की महुआ (दौसा) के कमालपुरा गांव में स्थित नकली घी की फैक्ट्री पकडी थी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला रसद अधिकारी, जालोर
जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी
क्रमांक-रसद/लेखा/निविदा/2026 दिनांक-

NOTICE INVITING BID 03/2026

e-Bids For Selection Of Transporter For The Transportation Of Food grains under MDM From FCI Depots in District Jolore are invited From interested bidders up to 20.01.2026. other particulars of the bid may be visited on The Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http:sppp.rajasthan.gov.in) of The State.

UNB - FCC2526SLOB00189, NIB CODE- FCC2526A0154

(अलोक झरवाल)
जिला रसद अधिकारी
जिला उपभोक्ता अधिकारी
जिला उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी
जालोर

DIPR/C/635/2026

अलवर नगर परिषद की बैठक में परात-फावड़ा लेकर पहुंचा कांग्रेस का पार्षद

- **कांग्रेस पार्षद जगदीश जाटव ने अनोखे तरीके से मनरेगा का विरोध दर्ज कराया।**

अलवर जिला परिषद की आज साधारण सभा की बैठक में कांग्रेस पार्षद ने मनरेगा का नाम बदलने का विरोध दर्ज कराया।

अलवर । अलवर जिला परिषद की आज साधारण सभा की बैठक हुई। बैठक से पहले वार्ड 21 के कांग्रेस पार्षद जगदीश जाटव ने अनोखे तरीके से मनरेगा का विरोध दर्ज कराया। वे मनरेगा बचाव की थीम पर कंधे पर फावड़ा और सिर पर परात लेकर जिला परिषद परिसर पहुंचे। इसके बाद वे साधारण सभा की बैठक में भी फावड़ा और परात साथ लेकर बैठ गए।

बता दें कि साधारण सभा की बैठक 9 जनवरी को आयोजित होनी थी, लेकिन कोरम के अभाव में स्थगित कर दी गई। उसके बाद 16 जनवरी नई तारीख तय की गई थी।

जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर ने कहा साधारण सभा की बैठक में विकास के कामों को लेकर चर्चा हुई है। कहा कि स्कूल के खेल मैदान के लिए 5 पट्टे दिए हैं साथ ही कई अहम निर्णय लिए गए हैं। छिल्लर ने कहा कि बैठक में आमजन की समस्याओं को लेकर भी चर्चा हुई है। लोगों की समस्याएं अधिकारियों तक नहीं पहुंच पाती हैं। बिजली विभाग का लाइनमैन और एक कॉन्स्टेबल तक आम आदमी की आवाज को दबा देते हैं। इसके लिए अधिकारियों को अवगत कराया गया है और उन्हें निर्देशित भी किया गया है।

बैठक में पहुंचे कांग्रेस पार्षद जगदीश जाटव ने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा का नाम तो बदल दिया और काम के 25 दिन बढ़ा दिए, लेकिन मजदूरों को न तो काम की गारंटी मिल रही है और न ही समय पर मजदूरी का भुगतान हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का उद्देश्य गरीब और मजदूर वर्ग को राहत देना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में मजदूर परेशान हैं। जाटव ने जिला प्रमुख पर भी पक्षपात के आरोप लगाए। उनका कहना था कि जिला प्रमुख अपने चहेते सरपंचों को विकास कार्यों के लिए बजट उपलब्ध करवा देते हैं, जबकि कांठोस पार्षदों को नजरअंदाज किया जा रहा है। ऐसे में जनता हमसे सवाल कर रही है और हमारी जवाबदेही तय हो रही है।

9वीं क्लास की छात्रा पर तेजाब फेंका

- **घर से स्कूल जा रही थी, बाइक पर आया था बदमाश, हेलमेट लगा रखा था**

श्रीगंगानगर । यहां 9वीं क्लास की छात्रा पर तेजाब फेंककर बाइक सवार युवक फरार हो गया। तेजाब छात्रा के चेहरे पर नहीं गिरा। हालांकि उसके कंधे और हाथ झुलस गए। पहचान छुपाने के लिए बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था। वहीं बाइक की नंबर प्लेट को भी ढक रखा था। घटना केसरीसिंहपुर थाना इलाके में शुक्रवार सुबह की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में बाइक सवार बदमाश नजर आ रहा है।

थाना प्रभारी बलवंत राम ने बताया- 13 साल की छात्रा स्कूल जा रही थी। इसी दौरान स्कूल से 250 मीटर पहले घटना हुई। बाइक सवार युवक उसके पास पहुंचा और तेजाब फेंका। बाइक की रफ्तार तेज होने और हड़बड़ाहट के चलते आरोपी छात्रा के चेहरे को निशाना नहीं बना सके। आसपास मौजूद लोगों ने छात्रा की मदद की और परिजनों को सूचना दी। युवक ने अपनी पहचान छुपाने के लिए बाइक की दोनों नंबर प्लेट ढ क रखी थी। साथ ही उसने हेलमेट के अंदर तौलिया लपेट रखा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम छात्रा और उसके परिजनों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना के बाद छात्रा के परिवार में दहशत का माहौल है। परिजन सहमे हुए हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की जाएगी। छात्रा पर तेजाब फेंकने की घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार- हाल ही में स्कूल का समय सुबह 10:30 बजे किया गया है। छात्रा घर से निकलकर स्कूल के पास पहुंच चुकी थी और वह स्कूल से करीब 70 मीटर दूर थी। इसी दौरान बाइक सवार युवक ने उस पर तेजाब फेंक दिया और फरार हो गया। पहचान छुपाने के लिए आरोपी ने हेलमेट के नीचे तौलिया बांध रखा था। घटना से करीब डेढ़ घंटे पहले भी स्कूल के पास मुख्य सड़क पर एक बाइक सवार युवक देखा गया था।

जोधपुर नगर निगम
क्रमांकः- जोन-7 / 2025-26 / 4069 दिनांकः- 12.01.2026

:: ई- निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB30187)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 17757

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली
क्रमांक-Rajkaj-4017-4037 दिनांक-08.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या-16/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दुर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2526A5066, UBN NO. 1. PWD2526WSOB20322, 2. PWD2526WSOB20323, 3. PWD2526WSOB20324, 4. PWD2526WSOB20325, 5. PWD2526WSOB20326

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली
DIPR/C/703/2026

सवाई माधोपुर : देश में पहली बार अमरूद महोत्सव 18 से

- **किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल : डॉ. किरोड़ी लाल**

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा है कि सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस को इस वर्ष बाघ महोत्सव एवं अमरूद महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। सवाई माधोपुर सहित पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि देश में पहली बार अमरूद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ 18 जनवरी को माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत और जिले की कृषि पहचान को राष्ट्रीय मंच देने का प्रयास है।डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि अमरूद महोत्सव एवं उन्नत कृषि तकनीकी मेला-2026 केवल उत्सव नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि जिले के किसान उच्च गुणवत्ता का अमरूद उत्पादन कर रहे हैं, जिसकी मांग देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी लगातार बढ़ रही है। अब आवश्यकता है कि इस पहचान को एक संगठित मंच देकर किसानों को बेहतर मूल्य, तकनीक और बाजार से जोड़ा जाए। कृषि मंत्री ने बताया कि यह दो दिवसीय आयोजन किसानों के लिए ज्ञान, नवाचार और अवसरों का संगम होगा। इसमें आधुनिक खेती, स्मार्ट फार्मिंग, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन तकनीक, हाई-टेक बागवानी, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से जुड़े नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रतिदिन हजारों किसान इस मंच से जुड़कर अपनी खेती को अधिक लाभकारी बनाने के गुर सीखेंगे। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जनता से यह वादा किया था कि सवाई माधोपुर के अमरूद की मिठास को प्रदेश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। अमरूद महोत्सव उसी संकल्प की पहली ठोस शुरुआत है।

घी कारोबारी के 3 ठिकानों पर आयकर छापा

- **आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने एक घी कारोबारी के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू कर दी।**

बीकानेर । यहां कारोबारी जगत में उस समय हड़कंप मच गया, जब आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने एक घी कारोबारी के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू कर दी। कोयला गली स्थित गोदाम, बीछवाल के गोदाम और कारोबारी के रानी बाजार आवास पर सुबह करीब छह से सात बजे के बीच आयकर विभाग की गाड़ियों के पहुंचते ही इलाके में हलचल मच गई।

25 से अधिक अधिकारियों की टीम दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और स्टॉक की गहन जांच में जुट गई, जो देर रात तक चली। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई अचानक नहीं बल्कि एक बड़े नेटवर्क के खुलासे का हिस्सा थी। उत्तर प्रदेश के एक बड़े कारोबारी के यहां की गई तलाशी के दौरान कई संदिग्ध लेनदेन और कच्चे बिलों के सुराग मिले थे। इन्हीं इनपुट्स के आधार पर बीकानेर के घी कारोबारी को जांच की। आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस छापेमारी का उद्देश्य कर चोरी, बेनामी लेनदेन और फर्जी बिलिंग से जुड़े पूरे नेटवर्क को उजागर करना है। प्रारंभिक जांच में बड़ी कर चोरी के संकेत मिले हैं, हालांकि आधिकारिक आंकड़े जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। बीकानेर में यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और भी खुलासों का संकेत दे रही है। आयकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस छापेमारी का उद्देश्य कर चोरी, बेनामी लेनदेन और फर्जी बिलिंग से जुड़े पूरे नेटवर्क को उजागर करना है। प्रारंभिक जांच में बड़ी कर चोरी के संकेत मिले हैं, हालांकि आधिकारिक आंकड़े जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। बीकानेर में यह कार्रवाई आने वाले दिनों में और भी खुलासों का संकेत दे रही है।

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail : adpcsmsakarauli@gmail.com
क्रमांक :- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2025-26/661 दिनांक :- 12/01/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 05 (सिविल)/2025-26
राजकीय विद्यालयों में मरम्मत कार्यो हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा (एस.डी.आर.एफ) योजनान्तर्गत स्वीकृत 594 राजकीय विद्यालय में मरम्मत कार्यो हेतु राशि रू 1170.18 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.97 लाख) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 22.01.2026 प्रातः 10.00 बजे से 28.01.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित तक आमंत्रित की जाती है।

यू.बी.एन. नं. :- RSE2526WLOB06445

निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा, करौली
राज.संवाद/सी/25/17710

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013 , Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांकः-गैराज / 2025-26 / 1109 दिनांक :- 12.01.2026

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या- ई-1107/E09 दिनांक 05.01.26 की संशोधित सूचना

कार्य का नाम :- नगर निगम के विभिन्न कार्यो हेतु ट्रेक्टर मय वाटर टेंकर एक वर्ष के लिए उपलब्ध कराने का कार्य।

नगर निगम, उदयपुर द्वारा जारी ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या-1107 / E09 दिनांक 05.01.2026 UBN No. UNP2526GLRC00130 की संशोधन सूचना (Corrigendum Notice) का अवलोकन इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है।

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 17749

उदयपुर बर्ड फेस्टिवल: रामसर साइट मेनार गांव में शुरु

तीन दिवसीय फेस्टिवल में फोटो प्रदर्शनी, पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिताएं हुई

उदयपुर के मेनार गांव में तीन दिवसीय बर्ड फेस्टीवल का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ।

- **रामसर साइट घोषित करने में प्रदेश एवं केंद्र सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रामसर साइट घोषित होने से मेनार का पूरे विश्व से सीधा जुडाव हो गया है।**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर बर्ड फेस्टिवल के 12 वें संस्करण का शुभारंभ शुक्रवार को मेनार गांव की रामसर साइट पर हुआ। तीन दिवसीय फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में चित्तौडगढ संसदीय क्षेत्र से सांसद सीपी जोशी और विशिष्ट अतिथि के रूप में सांवलियाजी मंदिर मंडल अध्यक्ष जानकीदास उपस्थित रहेमेनार को हाल ही में रामसर साइट घोषित करने से फेस्टिवल के लिए इस स्थान का चयन किया गया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद सीपी जोशी ने अपने संबोधन में मेनार गांव की विख्यात तलवारों की गैर और दोनों तालाबों के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां की तलवार की खनक और पक्षियों की कलरव विश्व प्रसिद्ध है। उन्होंने इसे रामसर साइट घोषित करने में प्रदेश एवं केंद्र सरकार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रामसर साइट घोषित होने से मेनार का पूरे विश्व से सीधा जुडाव हो गया है। मेनार में सदियों से पक्षियों के संरक्षण की लंबी परंपरा रही है। रामसर साइट घोषित होने के बाद यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जोशी ने मेनारवासियों के पक्षी प्रेम की सराहना करते हुए कहा कि हाल ही में गांव के समीप प्रस्तावित बिजली ग्रिड को पक्षी हित में अन्यत्र स्थापित करने की मांग यहां के वाशिंदों ने रखी जिसे सरकार ने मान लिया। जोशी ने आव्हान किया कि पक्षी संरक्षण की इस धरती पर आयोजित बर्ड फेस्टिवल की गूंज विश्व पटल पर सुनाई देनी चाहिए। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एस आर यादव ने कहा कि मेनारवासियों की लगन एवं समर्पण भाव के चलते यह रामसर साइट घोषित हुआ है। आर्द भूमि को संरक्षित रखते हुए पक्षी प्रेमियों एवं पर्यटकों के लिए यहां सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उपवन संरक्षक उत्तर अजय चित्तौडा ने मेनार वेटलैंड परिसर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। समारोह में उपस्थित सभी को सांसद जोशी ने वेटलैंड मित्र बनने की शपथ दिलाई। शपथ में वेटलैंड के संरक्षण, पक्षियों के आवास की सुरक्षा एवं पर्यावरण को संरक्षित रखने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्मारिका एवं पॉकेट बुक का भी विमोचन किया। उद्घाटन समारोह में उदयपुर एवं मेनार गांव के आसपास के सैकडों की संख्या में स्कूली बच्चे सम्मिलित हुए। इस दौरान उनके लिए पक्षी आधारित चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। पक्षी आधारित फोटो प्रदर्शनी एवं मेनार वेटलैंड पर आधारित शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर संभागीय मुख्य वन संरक्षक सुनील चिद्री, राजस्थान राज्य बायोडायवर्सिटी बोर्ड के सदस्य राजपाल सिंह, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, करण भल्ला, मुकेश सैनी, मेनार सरपंच प्रमोद ढोली, समाजसेवी घनश्याम मेनारिया, विजय लाल मेनारिया, मांगीलाल सिंघावत, पूर्व प्रधान मोहन मेनारिया, पूर्व सरपंच ऊंकार मेनारिया, पक्षीविद देवेन्द्र श्रीमाली, विनय दवे सहित कई गणमान्य, अधिकारीगण व ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपवन संरक्षक वन्यजीव वाय एस चुंडावत ने स्वागत उद्बोधन दिया। सुरभि शर्मा सहायक वन संरक्षक ने आभार ज्ञापित किया व संचालन राजेंद्र सेन ने किया। इस अवसर पर पक्षी मित्र मेनार गांव पर आधारित डॉक्यूमेंट्री विंग्स ऑफ होप ड्क्त ए बजलिंग विलेज एंड देयर बर्ड फ्रेंड्स प्रदर्शित की गई। इसमें बताया गया कि मेनार गांव के मेनारिया समाज के लोगों का पक्षियों के प्रति प्रेम और उनके संरक्षण की परंपरा सदियों पुरानी है। करीब डेढ सौ वर्ष पूर्व एक अंग्रेज अधिकारी भारत भ्रमण के दौरान मेनार पहुंचा। अपने भोजन के लिए उसने यहां के तालाब से पक्षियों का शिकार करना चाहा तो ग्रामीणों ने दृढ ता के साथ उसका विरोध किया और उसे शिकार नहीं करने दिया। मेनार के वाशिंदों के पशुओं के प्रति इस प्रेम को देखते हुए उसने शिकार नहीं करने का निश्चय किया और यहां के लोगों का आतिथ्य स्वीकार किया। उसने अपनी यात्रा वर्णन के दौरान इस घटनाक्रम का उल्लेख किया है। बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न जलाशयों पर पक्षियों की असवाई माधोपुर सवाई माधोपुर अखेलियों का अवलोकन किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने छह रूट बनाए हैं। पंजीकृत पक्षी प्रेमी अपने तय रूट पर प्रातः 6 बजे वन भवन चेटक सर्किल से बर्डिंग के लिए निकलेंगे।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/247 - 249 Date :- 12/01/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 73/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 114.01 लाख (06 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	14.01.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 29.01.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	14.01.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 29.01.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	30.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00402 To ITU2526WSOB00407

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/25/17690

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited
REGIONAL OFFICE, BIKANER
क्रमांक :- एफ.7(03)ई-00094/नीलामी/मप्र/राराववििनिलिक्षेकाबी/2025-26/44 दिनांक :- 14/01/2026

विशेष नीलामी विज्ञप्ति (संशोधित)

इस कार्यालय की विशेष नीलामी विज्ञप्ति क्रमांक 1464 दिनांक 25.11.2025 में वर्णित नीलामी दिनांक को संशोधित करने के उद्धेश्य से सर्व साधारण विशेषकर लकड़ी खरीदने वाले व्यापारियों / व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि इस वन मण्डल के अधीन चल रहे पातन स्थलों पर पातन उपरान्त बचे छौंगन (स्वचे - ज्वचे) की खुली नीलामी की जा रही है। पातन स्थलों की लकड़ियां जिन डिपो पर आती है उस पातन स्थल के छौंगन की नीलामी भी उसी डिपो में की जावेगी, जिसका संशोधित तिथिवार विवरण निम्न प्रकार है।

अतः इच्छुक क्रेतागण नियत तिथि व समय पर व्यक्तिशः उपस्थिति होकर या अपने अधिकृत प्रतिनिधि को भेजकर अमानत राशि ₹10,000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट (महाप्रबन्ध, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लि., क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के नाम का बना हुआ) जमा करवाकर खुली नीलामी में भाग ले सकते हैं।

क्र. सं.	नीलामी स्थल / विक्रय केन्द्र	प्रत्येक माह की नीलामी दिनांक	नीलामी समय	प्रबन्धक के दूरभाष नम्बर
1.	डिपो 820 RD	6 व 16	प्रातः 11.00 बजे	9950263758
2.	डिपो बज्जू	7 व 22	प्रातः 11.00 बजे	9950263758
3.	डिपो बीकमपुर	1 व 15	प्रातः 11.00 बजे	9950263758
4.	डिपो घड़साना	2 व 21	प्रातः 11.00 बजे	9414082990
5.	डिपो इ.गां.न.प. 682 RD	18 व 23	प्रातः 11.00 बजे	8963801110
6.	डिपो रावला	11 व 26	प्रातः 11.00 बजे	8963801110
7.	डिपो बीछवाल (बीकानेर)	12 व 25	प्रातः 11.00 बजे	9950263758
8.	डिपो छत्तरगढ़	5 व 19	प्रातः 11.00 बजे	9414082990

नोट :-
(1) नीलामी दिनांक को अवकाश होने पर आगामी उपलब्ध कार्य दिवस को नीलामी की जावेगी।
(2) नीलामी में रखी जाने वाली वन उपज के संबंध में विस्तृत विवरण एवं शर्तो का अवलोकन विभागीय विक्रय केन्द्र पर किसी भी कार्य दिवस को किया जा सकता है अथवा इनकी जानकारी संबंधित प्रबन्धक से दूरभाष पर भी ज्ञात की जा सकती है।

महाप्रबन्धक
रा.रा.व.वि.नि.लि., क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/17696

चित्रांग' में कैनवास पर उकेरी यात्रा

जयपुर। शहर के वरिष्ठ कलाकार, 70 वर्षीय जगदीश चंद्र ने अपनी सोलो आर्ट एग्जिबिशन 'चित्रांग' में प्रकृति, यात्रा और इतिहास से प्रेरित कृतियों के माध्यम से दर्शकों को एक दृश्यात्मक यात्रा पर ले जाने का प्रयास किया है।

आमेर किले की लम्बी दीवारें, दीवान-ए-खास की भव्यता, राधा-कृष्ण के श्रृंगार, बाजीराव-मस्तानी की प्रेम कथा और प्रकृति की मनोहारी छवियाँ उनकी पेंटिंग्स में जीवंत रूप से उभरती हैं। जवाहर कला केंद्र की सुदर्शन आर्ट गैलरी में शुक्रवार को उनकी पाँच दिवसीय कला प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आधारित कुल 25 चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रतिष्ठित कला समीक्षक एवं संस्कृतिकर्मी तृप्ति पांडे, सुधीर माथुर, ऋषि मिगलानी, संजय कोठारी सहित अन्य गणमान्यजनों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जगदीश चंद्र ने बताया कि उन्हें भ्रमण का विशेष शौक है और उनकी अधिकांश कृतियाँ उनके यात्रा अनुभवों से प्रेरित हैं।

किसी चेहरे की मासूमियत स्मृति में रह जाए तो वे उसे कैनवास पर उतार देते हैं, वहीं प्रकृति की खूबसूरती को रंगों की दुनिया में सहेजते हैं। यह प्रदर्शनी 20 जनवरी तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

'वॉरियर क्लैन्स' शीर्षक यह पेंटिंग 17वीं-18वीं शताब्दी के राजस्थान के उस कालखंड को जीवंत करती है, जब वीरता, शौर्य और कला आपस में गहराई से जुड़े हुए थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ में हुई शामिल

राष्ट्रपति के जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी अगवानी की

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा पर जयपुर पहुंची। मुर्मु सीकर रोड़ स्थित नींदड़ में 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ और श्रीराम कथा में शामिल हुई।

- राष्ट्रपति का एक दिवसीय जयपुर दौरा
- स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के सानिध्य में हवन में दी पूर्णाहुति
- राष्ट्रपति ने देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि के साथ विश्वकल्याण की कामना की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ विश्वकल्याण के लिए हवन में पूर्णाहुति दी।

उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ विश्वकल्याण के लिए हवन में पूर्णाहुति दी।

इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे।इस दौरान राष्ट्रपति ने महायज्ञ में पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला की परिक्रमा लगाई। इस दौरान राष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात कर उनका अभिनंदन भी किया। इससे पहले राष्ट्रपति के जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी अगवानी की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

25 पौधे लगाने की शर्त पर 15 साल पुराना दावा बहाल

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बेदखली और वसूली से जुडे दावे को निचली अदालत की ओर से पक्षकार की अनुपस्थिति के कारण पन्द्रह साल पहले खारिज दावे को सशर्त बहाल कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह सार्वजनिक स्थान पर 25 छायादार पौधे लगाकर उसकी देखभाल करेगा। वहीं अदालत ने प्रतिवादियों को दस हजार रुपए भी अदा करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश रशीदन व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पौधारोपण से जुड़ी फोटो निचली अदालत में पेश करेगा और इसकी देखभाल का शपथपत्र भी देगा। यदि इस शर्त की पालना नहीं की गई तो निचली अदालत इसकी जानकारी हाईकोर्ट में पेश करेगा।

अधिवक्ता मोहम्मद अनीस ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने साल 1989 में शहर की निचली अदालत में बेदखली और वसूली का दावा किया था। साल 1994 में अदालत ने मामले में सुनवाई के बिंदु तय करते हुए प्रकरण को साक्ष्य के लिए रखा। याचिका में कहा गया कि सुनवाई के दौरान निचली अदालत ने 25 अक्टूबर, 2010 की तारीख दी थी, लेकिन भूलवश डायरी में यह तारीख 25 नवंबर अंकित हो गई। जिसके कारण तय तिथि पर सुनवाई के लिए याचिकाकर्ता की ओर से कोई पेश नहीं हो सका।

वाहन चोर गिरोह के दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) और पुलिस थाना जामडोली ने संयुक्त कार्रवाई कर एक संगठित दुपहिया वाहन चोर गिरोह के दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई आठ मोटरसाइकिल बरामद की हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि डीएसटी पूर्व और जामडोली थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले वीरेन्द्र उर्फ विक्रम मीणा (23) और शैलेन्द्र कुमार जाटव (20) को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ही आरोपित महुआ जिला दौसा के रहने वाले है।

एआई के बारे में बताया

जयपुर। बनीपार्क स्थित एसएसजी पारीक पीजी महिला महाविद्यालय में आईक्यूएसी के तहत राजस्थान सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में इम्पेक्ट आफ एआई आन ह्यूमन सोसायटी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषयक दो दिवसीय कॉन्फ्रेंका आयोजन किया।

शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्थान वित आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, डिप्टी डायरेक्टर राजेश कुमार गर्ग ने किया।

16वीं विधानसभा के पंचम सत्र में कोई नया प्रावधान नहीं

- सदन की व्यवस्थाएं पूरी तरह पूर्ववत, केवल डिजिटल सुविधा जोड़ी गई

जयपुर। 16वीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में सदन की कार्यप्रणाली में किसी प्रकार का कोई नया प्रावधान नहीं किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधायकों के लिए जारी सभी बुलेटिन पूर्व विधानसभाओं के सत्रों की तरह ही हैं। प्रश्न पूछने की प्रक्रिया, प्रश्नकाल, शून्यकाल और अन्य संसदीय व्यवस्थाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। विधानसभा की स्वस्थ संसदीय परंपराओं के अनुरूप इस सत्र में भी सभी व्यवस्थाएं पूर्ववत रखी गई हैं।उन्होंने बताया कि पर्ची व्यवस्था की शुरुआत वर्ष 1995 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष हरिशंकर भाभड़ा के निर्देशानुसार की गई थी, जो 20 मार्च 2020 तक लगातार लागू रही। इसके बाद 15वीं विधानसभा के छठे सत्र के दौरान 10 फरवरी 2021 को हुई कार्य सलाहकार समिति की बैठक में तत्कालीन अध्यक्ष सी.पी. जोशी द्वारा पर्ची व्यवस्था को बंद करने का निर्णय लिया गया था।विधायकों को अपने विधानसभा क्षेत्र और प्रदेश की जनसमस्याएं अधिक प्रभावी ढंग से सदन में उठाने के उद्देश्य से पर्ची व्यवस्था को पुन: प्रारंभ किया गया। इस संबंध में 20 जून 2024 को विधानसभा बुलेटिन संख्या 47 जारी कर सभी विधायकों को पर्ची व्यवस्था के पुन: प्रारंभ और उसकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में लागू पर्ची व्यवस्था पूरी तरह पूर्ववत है। इसमें केवल प्रस्तावों को ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा जोड़ी गई है। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। पर्ची व्यवस्था का उद्देश्य लोक महत्व के विषयों को सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से सदन में प्रस्तुत करना है, ताकि विधायक जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी रूप से उठा सकें।उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में प्रश्नों की ग्राह्यता के संबंध में कुछ संशोधनों के साथ 25 जनवरी 2020 को विधानसभा बुलेटिन संख्या 20 जारी किया गया था। प्रश्नों की संख्या या सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम 37 (2) (8) और (10) के अनुसार प्रश्न अत्यधिक लंबे नहीं होने चाहिए और ऐसे विषय नहीं उठाए जा सकते जिनकी प्रकृति इतनी विस्तृत हो कि उनका उत्तर प्रश्न की सीमा में समाहित न किया जा सके। इन्हीं नियमों के आधार पर यह व्यवस्था भी पहले से लागू है कि जहां तक संभव हो, पांच वर्षों से अधिक पुरानी जानकारी नहीं मांगी जाए।देवनानी ने यह भी बताया कि प्रश्नों में यथासंभव प्रदेश के किसी विशेष स्थान, विधानसभा क्षेत्र, तहसील या सीमित क्षेत्र से संबंधित जानकारी मांगी जानी चाहिए, न कि पूरे जिले या सम्पूर्ण प्रदेश की। इसका उद्देश्य अत्यधिक व्यापक सूचना के कारण उत्तर देने में होने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों से बचना है।उन्होंने कहा कि प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम 37 (2) (17) में पहले से ही यह प्रावधान है कि तुच्छ विषयों पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

यह नियम राजस्थान विधानसभा की नियमावली के प्रथम संस्करण वर्ष 1956 से लागू है और इसमें कोई नया परिवर्तन नहीं किया गया है। यही प्रावधान लोकसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली 1952 और देश के अन्य राज्यों की विधानसभाओं में भी समान रूप से लागू है। लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकसंसदीय पद्धित और प्रक्रियामें भी तुच्छ विषयों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है।विधानसभा अध्यक्ष ने दोहराया कि राजस्थान विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 37 के अंतर्गत प्रश्नों की ग्राह्यता के आधार पर ही समय-समय पर बुलेटिन जारी किए जाते रहे हैं।

बेशकीमती बंगलों को लेकर पूर्व राजपरिवार के खिलाफ देरी के आधार पर दावा खारिज

जयपुर। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-6, महानगर प्रथम ने शहर के सिविल लाइंस स्थित बंगला नंबर 15 व बंगला नंबर 16 के स्वामित्व को लेकर पूर्व राजपरिवार के सदस्यों के खिलाफ दायर दावे को देरी से पेश करने के आधार पर खारिज कर दिया है। अदालत ने यह आदेश संपदा निदेशालय की ओर से पेश दावे पर सुनवाई करते हुए दिए। पीठासीन अधिकारी मुकेश परनामी ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने इन संपत्तियों का कब्जा प्राप्त करने के लिए परिसीमा अधिनियम के अनुच्छेद 112 के तहत तीस साल की अवधि में कोई कार्यवाही करना प्रकट नहीं हुआ है, बल्कि ब्रिगेडियर भवानी सिंह को संपत्ति खाली करने का नोटिस तीस साल बाद मई, 2003 में जारी किया गया था।

राज्य सरकार की ओर से पेश दावे में पद्मिनी देवी, दिया कुमारी और पद्मनाभ सिंह को पक्षकार बनाते हुए कहा गया कि 28 दिसंबर, 1971 को संविधान के अनुच्छेद 363 के प्रभावी होने से देशी राज्य के शासकों को दी गई मान्यता को समाप्त कर उनकी निजी पॉलिसियों का अंत किया गया था। ऐसे में बंगला नंबर 15 व 16 स्वामित्व राज्य सरकार का हो गया। इसलिए इन बंगलों का साल 1971 से दावा पेश करने तक एक मुश्त दस करोड रुपए और बाद में प्रतिमाह दस लाख रुपए के हिसाब से इसका किराया दिलाया जाए। जिसका विरोध करते हुए पूर्व राज परिवार की ओर से अधिवक्ता रमेश शर्मा ने कहा कि दावे में राज्य सरकार वाद कारण 1971 में उत्पन्न होना बता रही है। ऐसे में सरकार परिसीमा अधिनियम के तहत साल 2002 तक ही इस संपत्ति का कब्जा प्राप्त करने की कार्रवाई कर सकती थी।

ऐसे में राज्य सरकार का यह दावा अवधि की मियाद से बाहर होने के कारण खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने दावे को तय अवधि के बाद पेश होने के आधार पर खारिज कर दिया है।

भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस के दुष्प्रचार का खंडन करें : अरूण सिंह

- भाजपा ने भ्रष्टाचार पर किया प्रहार तो रूकी बिचौलियों की कमाई, कांग्रेस के शुरू हुआ पेट में दर्द : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में वीबी जी रामजी जनजागरण अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने अभियान की विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वीबी-जी रामजी कानून को लेकर कांग्रेस और उसकी शीर्ष नेता सोनिया गांधी तक देश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा जनभावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है और वे बिचौलियों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह कांग्रेस के इस षड्यंत्र का मजबूती से खंडन करे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के झूठे प्रचार का खंडन करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए इस कानून के प्रति जनता को उत्सव के भाव के साथ जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि एक ओर झूठ का खंडन और दूसरी ओर जनजागरण का उत्सव-यही हमारी रणनीति होनी चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि कांग्रेस यह भ्रम फैला रही है कि लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा, जबकि सच्चाई यह है कि मोदी सरकार ने कार्य दिवस बढ़ाए हैं। कांग्रेस यह भी दुष्प्रचार कर रही है कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया है, जबकि देश में सबसे अधिक योजनाओं के नाम बदलने का काम स्वयं कांग्रेस ने किया है। इसके अलावा, फसल की बुवाई और कटाई के समय 60 दिनों का ब्रेक देने का निर्णय मोदी सरकार का एक ऐतिहासिक फैसला है। जिससे फसल कटाई और बुवाई के समय देश के किसानों को पर्याप्त मजदूर मिल पाएंगे। अरुण सिंह ने कहा कि कांग्रेस जितना अधिक प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करेगी, जनता उतनी ही मजबूती से कांग्रेस को जवाब देगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीबी जी रामजी जनजागरण अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर और पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुसार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता हैं जो हर योजना में कमी निकालने का काम करते हैं। चाहे वह सीएए हो, ईवीएम का मुद्दा हो या फिर एसआईआर-कांग्रेस हर विषय पर भ्रम फैलाने का प्रयास करती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अब कांग्रेस को जी रामजी नाम से भी आपत्ति है। हमने तो राजस्थान से 'रा' और मध्यप्रदेश से 'म' लिया और महत्वपूर्ण परियोजना ईआरसीपी का नाम स्वत: ही 'राम जल सेतु' हो गया। यदि कांग्रेस को राम जी से ही दिक्कत है तो इसमें हम क्या कर सकते हैं। प्रकृति का नियम है कि जो होना है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश धीरे-धीरे रामराज्य की ओर बढ़ रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मनरेगा के नाम पर एक भी स्थाई काम आप को किसी गांव में देखने को नहीं मिलेगा। मनरेगा में स्थाई काम ना होना और बिना किसी योजना के कामों की स्वीकृति होना भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करता है। कांग्रेस के शासनकाल में एक ही परिवार के नाम पर अनेक योजनाओं के ना केवल नामकरण किए गए, बल्कि 600 से अधिक संस्थाओं एवं योजनाओं के नाम एक ही परिवार पर रखकर जिस तरह आजादी के आंदोलन में शामिल हुए स्वतंत्रता सैनानियों का अपमान किया, वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन, राजपथ को कत्तर्व्य पथ जैसे नाम देकर सत्ता नहीं, सेवा के संस्कार चरितार्थ किए।

सरकार की नीतियों से राजस्थान बना निवेशकों की पहली पसंद : उद्योग मंत्री

जयपुर। राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट के माध्यम से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर अपनी दूरगामी सोच को जनता के समक्ष स्पष्ट किया। निवेशकों ने भी राज्य सरकार पर भरोसा जताते हुए लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए जिनमें से अब तक 8 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू धरातल पर उतरने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार की दूरदर्शी एवं विकासोन्मुख सोच का ही परिणाम है कि गत दो वर्षों में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इन निर्णयों के क्रियान्वयन में रीको ने भी अपनी प्रभावी भूमिका निभाई है।

राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो, लोगों को रोजगार मिले एवं उद्यिमयों को अपना उद्योग लगाने एवं संचालन में आसानी हों। इसके लिए राज्य सरकार एवं रीको ने नई नीतियां जारी की तथा नियमों का सरलीकरण किया। राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों को आरक्षित दर पर औद्योगिक भूमि उपलब्ध हो सके इसके लिए रीको ने प्रत्यक्ष आवंटन योजना मार्च 2025 में लागू की जिसके सात चरण पूर्ण हो चुके हैं। इसी तरह रीको औद्योगिक क्षेत्रों में पट्टाधारी अपने आवंटित भूखण्ड को एक अनुमत उपयोग से दूसरे अनुमत उपयोग में ले सकें इसके लिए नियमों में संशोधन किया गया। निवेशकों को अविकसित एवं अर्धविकसित भूमि उपलब्ध कराने के लिए अविकसित एवं अर्धविकसित नीति भी लागू की जिससे निवेशक बहुत कम समय में अपनी परियोजना को स्थापित कर सकते हैं। लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए भी रीको ने नई नीति लागू की जिसके अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित भूखण्ड पर लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग इकाई लगाई जा सके। रीको के औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आवंटन की गति तेज हुई है। रीको ने अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान औद्योगिक विकास के प्रमुख संकेतकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में भूमि आवंटन, राजस्व और औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान आवंटित भूमि की लागत बढ़कर 3,200 करोड़ रूपये हो गई।

फॉल सीलिंग हादसे में होटल मालिक को राहत

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने करीब दस साल पहले टोंक रोड स्थित फॉर्चून बेलाकासा होटल में एक निजी कार्यक्रम के दौरान फॉल सीलिंग गिरने से हुई चार जनों की मौत मामले में होटल मालिक अनिल कुमार गर्ग के खिलाफ अपराध नहीं माना है।

वहीं होटल प्रबंधक के खिलाफ भी गैर इरादतन हत्या की बजाय लापरवाही से मौत का कारण बनने के मामले में केस चलेगा।

इसके साथ ही अदालत ने होटल मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में निचली अदालत की ओर से लिए प्रसंज्ञान को रद्द कर दिया है।

सनातनी किन्नरों के शोषण का मुद्दा गरमाया: किन्नर अखाड़ा ने की जांच की मांग

जयपुर। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को मानसरोवर स्थित सुमेर पैराडाइज में किन्नर अखाड़ा द्वारा देश में पहली बार किन्नर समाज के भीतर चल रही अवैध गतिविधियों और धार्मिक कट्टरता पर एक बैठक का आयोजन किया गया।

किन्नर समाज के भीतर चल रही अवैध गतिविधियों और धार्मिक कट्टरता पर बैठक का आयोजन किया।

जिसमें किन्नर अखाड़ा के संस्थापक ऋषि अजय दास महाराज ने बड़ा खुलासा करते हुए आरोप लगाया है कि देशभर में एक संगठित जाल किन्नर जिहाद के नाम पर सक्रिय है,जो सनातनी किन्नरों के धर्मांतरण, अवैध वसूली और आर्थिक शोषण में लिप्त है। उनके इस प्रयास को बजरंग सेना, हिन्दू वाहिनी सेना, विश्व हिंदू परिषद, मीणा महासंघ जैसे कई अन्य संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया है।

महाराज ने दावा किया है कि-80 सनातनी किन्नरों को दबाव, डर और प्रतिबंधों के माध्यम से मुस्लिम रीति-रिवाज़ अपनाने पर मजबूर किया गया, विरोध करने पर मारपीट और आर्थिक दंड तक लगाए जाते हैं।

जन्म से हिंदू होने के बावजूद कई किन्नरों का अंतिम संस्कार इस्लामिक तौर-तरीकों से किया जाता है। कथित हिजड़ा गिरोह त्योहारों, शादियों और अन्य शुभ अवसरों पर गुंडागर्दी के साथ अवैध वसूली करते हैं।

सनातनी समाज से मिल रहे पैसों का उपयोग शराब, मांसाहार, अय्याशी, मदरसों और संदिग्ध गतिविधियों में किया जा रहा है।

एजीटीएफ ने पचास हजार का इनामी तस्कर डाकूड़ा को सांचौर से पकड़ा

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक के अपराध मुक्त राजस्थान के संकल्प की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में टीम ने जालौर के कुख्यात शराब तस्कर प्रकाश जाणी उर्फ पप्पू उर्फ डाकूड़ा निवासी चितलवाना को सांचौर से दस्तयाब करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी पर आईजी जोधपुर रेंज की ओर से पचास हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि एजीटीएफ के कांस्टेबल सुनील और सुमेर सिंह को सटीक सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार चल रहा प्रकाश जाणी अपने परिवार से मिलने जोधपुर आया है और वहां से फिर गांव की ओर निकला है। सूचना की पुष्टि होते ही एसपी ज्ञानचंद यादव और एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फूलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जब आरोपी की रेकी शुरू की,तो वह अपनी लोकेशन बार-बार बदलने लगा।

पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने जालौर के कुख्यात शराब तस्कर प्रकाश जाणी उर्फ पप्पू उर्फ डाकूड़ा निवासी चितलवाना को सांचौर से दस्तयाब किया।

पुलिस टीम ने जब सांचौर के पास आरोपी का पीछा करना शुरू किया, तो शातिर तस्कर डाकूड़ा को पुलिस की भनक लग गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने भागने की कोशिश की। जिसके बाद एजीटीएफ और बदमाश के बीच करीब डेढ़ से दो किलोमीटर तक लुका-छिपी और दौड़ चलती रही। अंतत: टीम ने सांचौर के चार रास्ता चौराहा रानीवाड़ा रोड के पास उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

आरोपी प्रकाश जाणी अवैध मादक पदार्थों और शराब तस्करी के नेटवर्क का बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। मार्च 2022 में सांचौर पुलिस ने एक लावारिस पेट्रोल टैंकर से 405 कार्टन हरियाणा निर्मित अवैध शराब बरामद की थी। इस मामले में प्रकाश जाणी मुख्य आरोपी था और तभी से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। इसके खिलाफ सांचौर, आबू रोड, बालेसर और गुड़ामालानी में एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी हरियाणा और पंजाब से शराब तस्करी कर राजस्थान और मुख्यत: गुजरात में सप्लाई किया करता है।

- फिलहाल आरोपी को सांचौर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहाँ गहन पूछताछ में तस्करी के बड़े नेटवर्क के खुलासे होने की उम्मीद है

इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में डीएसपी फूलचंद, एएसआई राकेश जाखड़ और कांस्टेबल मगनाराम की सक्रिय भूमिका एवं कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार की तकनीकी भूमिका रही। विशेष रूप से कांस्टेबल सुमेर सिंह और सुनील की सूचना तंत्र की सटीकता ने इस इनामी अपराधी को सलाखों के पीछे पहुँचाने में मदद की। फिलहाल आरोपी को सांचौर थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहाँ गहन पूछताछ में तस्करी के बड़े नेटवर्क के खुलासे होने की उम्मीद है।

'द एज ऑफ़ अरविंदो' पुस्तक का विमोचन

जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026 के अंतर्गत आज क्लार्क अम्बर के सूर्या महल हॉल में आयोजित सत्र द एज ऑफ़ अरविंदो अत्यंत सफल एवं विचारोत्तेजक रहा। भारत मूल के अमेरिका के निवासी डॉ. परीक्षित सिंह के इस विशेष सत्र में उनकी नवीन पुस्तक द एज ऑफ़ अरविंदो का विमोचन किया गया। सत्र का संचालन संवाद शैली में हुआ, जिसमें नमिता दाविदयाल और शौनक ऋषि दास ने डॉ. सिंह से गहन विमर्श किया।

खचाखच भरे सभागार में इस सत्र का केंद्रीय विषय अरविंदो का दर्शन रहा, जिसमें डॉ. परीक्षित सिंह ने उनके दर्शन के पाँच प्रमुख सूत्रों/मोटिफ़्स (- प्रमुख जीवन पक्ष) को विस्तार से प्रस्तुत किया। चर्चा में यह रेखांकित किया गया कि अरविंदो का चिंतन केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि जीवन के समग्र विकास व्यक्ति, समाज और राष्ट्रकृके लिए एक व्यावहारिक दर्शन है। डॉ. सिंह ने भातीय दर्शन के संदर्भ में वेदों पर अरविंदो के विचार, आधुनिक समाज की चुनौतियाँ, श्रीकृष्ण के कर्मयोग एवं चेतना-दर्शन, तथा भारत के भविष्य के लिए अरविंदो की दृष्टि पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नोबेल पुरस्कार विजेताओं (नोबेल लॉरिएट्स) द्वारा अरविंदो के दर्शन पर व्यक्त विचारों का भी उल्लेख किया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उनका चिंतन आज भी विश्व स्तर पर प्रासंगिक और प्रेरक है। इस अवसर पर प्रख्यात भारतीय राजनेता, दार्शनिक एवं जम्मू-कश्मीर रियासत के टाइटुलर महाराजा, पद्म विभूषण डॉ. करण सिंह, विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सत्र की विषय वस्तु से प्रभावित होकर अपने दार्शनिक विचार साझा किए। और अरविंदो के समग्र मानवतावादी दृष्टिकोण को भारत की बौद्धिक परंपरा की एक ऊँचाई बताया। सत्र के दौरान प्रो. मकरंद परांजपे ने भी प्रश्न पूछे तथा अपने विचार रखे, जिससे विमर्श और अधिक समृद्ध हुआ। उनके प्रश्नों और टिप्पणियों ने अरविंदो के दर्शन की साहित्यिक, दार्शनिक और समकालीन प्रासंगिकता को नई दृष्टि प्रदान की। समग्र रूप से, द एज ऑफ़ अरविंदो सत्र न केवल एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम रहा, बल्कि भारतीय दर्शन, आध्यात्मिक चेतना और आधुनिक विश्व की चुनौतियों के बीच एक सार्थक संवाद का सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त

गायों को हरा चारा खिलाया

गंगापुर सिटी, (निसं)। भारत विकास परिषद शाखा गंगापुर सिटी द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती पर भजन आश्रम गौशाला जयपुर रोड पर गायों को हरा चारा, सब्जी और गुड़ खिलाकर जयंती मनाई गई। मां भारती और स्वामी विवेकानंद की चित्रपट पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। शिवनारायण गुप्ता ने विवेकानंद के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान शाखा अध्यक्ष राजेंद्र खारवाल, सचिव रामदयाल मीना, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार वैष्णव, शाखा सवन्वयक शिवनारायण गुप्ता, गतिविधि संयोजक महिला निर्मला खारवाल, कार्यक्रम संयोजक कैलाश चंद मित्तल बीएसएनएल,सह संयोजक लक्ष्मी कुमार अग्रवाल महोली, विमल कुमार गुप्ता, महेंद्र सोनी, अश्वनी गुलाटी, अनिल खंडेलवाल एसके, बृजेन्द्र सिंह मीणा,पुष्पा मीना, प्रियंका सोनी, पूजा गुप्ता, वेदवती आर्य, अरविंद गुप्ता महस्वा वाले, सदभाव आर्य सहित कई कार्यकर्ता मोजूद थे।

भगवती जागरण 31 जनवरी को

गंगापुर सिटी, (निसं)। मां इंदरगढ़ बिजासन सेवा समिति के तत्वाधान में इंदरगढ़ देवी जिला बूंदी में 31 **जनवरी शनिवार को विशाल** भगवती जागरण गंगापुर वालों की धर्मशाला में आयोजित होगा। समिति महामंत्री वेद प्रकाश मंगल ने बताया कि 1 फरवरी माघ पूर्णिमा पर माता के दरबार में 111 मीटर लंबी विशाल चुनरी महोत्सव मनाया जावेगा। समिति अध्यक्ष देवी चरण गर्ग ने बताया की माता रानी की 36 वीं मासिक यात्रा में 31 जनवरी शनिवार को शाम 4 बजे कर्मचारी कॉलोनी गौरव मैरिज होम के सामने से सैकड़ो भक्त इंदरगढ़ दरबार जिला बूंदी के लिए बसों द्वारा प्रस्थान करेंगे। रात्रि 9 बजे से गंगापुर वालों की धर्मशाला में विशाल भगवती जागरण बाबा म्यूजिकल ग्रुप सिंगर हेमंत सैनी पार्टी द्वारा किया जावेगा, वहीं 1 फरवरी रविवार प्रातः 7 बजे सभी श्रद्धालु माता रानी की 111 मीटर लंबी विशाल चुनरी हाथों में लेकर ढोल नगाड़ा और जयकारों के साथ माता के दरबार के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रातः 9 बजे माता रानी का श्रृंगार कर चुनरी भेंट कर दर्शन करके प्रातः 10.30 बजे गंगापुर वालों की धर्मशाला में कन्याओं को भोजन कराकर विशाल भंडारा आयोजित होगा। उन्होंने बताया की मासिक यात्रा में प्रत्येक तीसरे माह में बिजासन माता के दरबार में विशाल चुनरी महोत्सव का आयोजन रखा जाता है।

पाठ्य सामग्री पाकर खिले चेहरे

गंगापुर सिटी, (निसं)। लॉयन्स क्लब गरिमा द्वारा गोद लिए गए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में हर माह की तरह इस माह भी छात्राओं के साथ विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब सदस्य मेघा अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर स्कूली छात्राओं ने उत्साहपूर्वक केक काटकर खुशी मनाई। इस मौके पर लॉयन मेघा अग्रवाल ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं को मदद देने के उद्देश्य से बालिकाओं को मॉडल टेस्ट पेपर उपलब्ध कराए। छात्राओं के लिए यह सामग्री बेहद उपयोगी साबित होगी, जिससे उनकी परीक्षा तैयारी मजबूत हो सकेगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने छात्राओं को अन्य आवश्यक पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। विद्यालय के लिए तकनीकी सुविधा बढ़ाने हेतु ब्लूटूथ माइक उपलब्ध कराने की घोषणा भी की गई, जिससे स्कूल की गतिविधियों और कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा होगी। लॉयन्स क्लब गरिमा की यह पहल छात्राओं की शिक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आयोजन के दौरान छात्राओं में उत्साह और खुशी देखने को मिली और शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में क्लब सचिव वीरेन्द्र कुमार आर्य सहित सौरभ बरडिया, ओम प्रकाश अग्रवाल, अतुल डंगायच, ज्योति खण्डेलवाल, रेणु आर्य, नेहा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दो बुजुर्ग महिलाओं का किया सम्मान

भरतपुर, (निसं)। ब्रजेन्द्र नगर भरतपुर में राजपूत सभा की बैठक रेवेन्द्र सिंह पना जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में रखी गई। बैठक में सामाजिक, शैक्षिणक, राजनैतिक आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई साथ ही 80वर्ष से अधिक के दो बुजुर्ग महिलाओं का सम्मान किया गया। जिसमें गोमती देवी धर्मपत्नि गोपाल सिंह परमार ग्राम रारह (90) शान्ति देवी धर्मपत्नि भगवान सिंह चौहान ग्राम खोहरा भुसावर उम्र 85 वर्ष को सम्मानित किया गया।

विधायक गुर्जर ने सीएमएचओ की कार्य शैली पर जताई नाराजगी

- 'पारस और डागुर हॉस्पिटल में अवैध रूप से हो रही डीएनसी की जांच करने के निर्देश दिए थे उसके बाद भी कोई जांच नहीं की गई'
- साधारण सभा की बैठक में जिला प्रमुख शिमला बैरवा करीब 1 घंटे देरी से पहुंची

करौली, (निसं)। यहां जिला परिषद में शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से साधारण सभा की बैठक का समय निर्धारित था उसके उपरांत भी जिला परिषद की मुखिया जिला प्रमुख शिमला बैरवा करीब 1 घंटे से अधिक समय के बाद बैठक में पहुंची तब तक साधारण सभा की बैठक शुरू हो चुकी थी और बैठक में कुल सदस्यों में से मात्र आधे ही सदस्य उपस्थित थे

जिला परिषद की आयोजित हुई साधारण सभा की बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक में उठे प्रश्नों के बारे में अधिकारियों ने जवाब दिए इसी दौरान क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने सीएमएचओ की काय शैली पर नाराजगी जहर करते हुए कहा की पिछली बैठक में हिंडौन के पारस और डागुर हॉस्पिटल में अवैध रूप से हो रही डीएनसी की जांच करने के निर्देश दिए गए थे उसके उपरांत भी कोई जांच नहीं की गई उन्होंने अंतिम चेतावनी देते हुए कहा की या तो शीघ्र ही इन दोनों हॉस्पिटलों के घोटाले की शीघ्र जांच कर अवगत कराया जाए अन्यथा विधानसभा में मामला उठाऊंगा इसी मौके विधायक ने रसद विभाग पर बोलते हुए कहा की राशन डीलरों को जो ट्रक गेहूं की सप्लाई दे रहे हैं उन ट्रकों में 2 से 3 क्विंटल की सप्लाई राशन डीलरों को कम मिल रही है गत बैठक में भी है मामला उठा था जिसके मामले में विधायक ने जिला रसद अधिकारी को निर्देश दिए कि इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच की जाए कि यह कहां गड़बड़ी हो रही है। बैठक में नाड़ोती क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य राम सिंह मीणा ने राशन डीलरों के व्यवहार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उपभोक्ताओं से सही व्यवहार नहीं करते हैं। उन्होंने शॉप के राशन डीलर का नाम खुलासा करते हुए कहा कि वह लाहबद गांव में राशन वितरण करता है जिसका व्यवहार सही नहीं है उपभोक्ताओं से अवै तवे से बात करता है उन्होंने चंबल प्रोजेक्ट से मिलने वाले पानी पर बोलते हुए कहा की नादौती क्षेत्र में नियमित रूप से पानी नहीं मिलता है उन्होंने कहा कि जुलाई से पानी नहीं मिला अब गत दिन से पानी की सप्लाई मिली है अंत में उन्होंने पेयजल की नियमित सप्लाई करने की मांग रखी उधर कटकड की जिला परिषद सदस्य सीएससी अस्पताल को 24 घंटे संचालित करने की मांग रखी जिसके जवाब में सीएमएचओ ने कहा कि स्टाफ की कमी है एक ही चिकित्सक है इसलिए 24 घंटे चलाना संभव है फिर भी उन्होंने विश्वास दिलाया की रात्रि के समय नर्सिंग स्टाफ लगाकर 24 घंटे चलाएंगे इसी मौके पर उन्होंने एक बड़ा प्रश्न उठाया की विधायक को से जो एंबुलेंस दी गई है वह आज तक किसी के काम नहीं आई है और ना ही किसी रोगी को लाभ मिला है जिसको लेकर विधायक दर्शन सिंह ने भी कहा यह पूरे जिले का हाल है उधर सीएमएचओ ने कहा कि विधायक को से मिली एंबुलेंस को चलाने के लिए चालक और उन मेंटेनेंस के खर्चे की व्यवस्था हमारे विभाग द्वारा नहीं है इसलिए चलाना संभव नहीं है वही विधायक ने करौली सामान्य चिकित्सालय में गहन चिकित्सा इकाई के लिए बड़ी राशि के इक्विपमेंट पड़े हुए हैं जिनका उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है जिस मामले में सीएमएचओ ने जवाब में कहा कि यह प्रमुख चिकित्सा अधिकारी के अंडर में आता है इसके अलावा अन्य सदस्यों ने भी बिजली पानी आदि की समस्याओं के मुद्दा उठाएं अंत में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवचरण मीणा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की क्षेत्र में बिजली पानी की समस्या को गंभीरता से लिया जाए इसी मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने भी सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला परिषद सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की जो समस्या में बताई गई है उन सभी समस्याओं को संबंधित अधिकारी गंभीरता से लेकर धरातल पर कार्य करें ताकि आमजन को समस्याओं से निजात मिल सके जिला परिषद की जिला प्रमुख शिमला बैरवा ने कहा कि जिले की आम जन की समस्याओं को सभी विभाग के अधिकारी तालमेल बैठक समाधान करने के निर्देश दिए।

युवाओं को उद्यिमता के प्रति किया प्रेरित

भरतपुर, (निसं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आई-स्टार्ट नेस्ट भरतपुर में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के उभरते हुए स्टार्टअप्स, विभिन्न शैक्षिणक संस्थानों के छात्रों और नवाचार में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाना और युवाओं को नवाचार के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर संभाग इनक्यूबेटर सेंटर के उप निदेशक हरि मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन स्टार्टअप्स और छात्रों को एक साझा मंच पर लाने और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक बेहतर माध्यम है। उन्होंने बताया कि यह मंच केवल नवाचार को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों को व्यावसायिक कौशल विकसित करने, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और नेटवर्किंग के बहुमूल्य अवसर भी प्रदान करता है। अभियांत्रिकी महाविद्यालय करौली के प्राचार्य रवि गुप्ता, अभियांत्रिकी महाविद्यालय भरतपुर के प्राचार्य धवल व्यास एवं जिला उद्योग अधिकारी सूर्यकांत पाण्डेय ने कार्यक्रम में स्टार्टअप्स के साथ चर्चा की और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने स्टार्टअप्स को अपना बिजनेस बढ़ाने, आइडिया डेवलप करने, तकनीकी रूप से कुशल बनने तथा व्यवसाय को पूर्ण रूप से स्थापित एवं विकसित करने के महत्वपूर्ण तरीके बताए।कार्यक्रम का समन्वय और संचालन सूचना सहायक सदेश कुमार, सूचना सहायक रवि कुमार एवं आई-स्टार्ट नेस्ट भरतपुर के मेंटर मनु विजय द्वारा किया गया।

चोरों ने सूने मकान को बनाया निशाना, जेवरात चुराए

- बच्चों से मिलने जयपुर गए मकान मालिक, पीछे से चोरों ने की वारदात जांच में जुटी पुलिस

गंगापुर सिटी, (निसं)। मीनेश नगर इलाके में गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात एक सूने मकान से लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी हो गए। यह घटना रामदेव मंदिर के पीछे दूध की डेयरी के पास स्थित विनोद सैन पुत्र मुख्याराम के मकान में हुई। शुक्रवार सुबह जब परिजन घर लौटे, तो उन्हें कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा मिला।

पीड़ित विनोद सैन ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ गुरुवार को जयपुर बच्चों से मिलने गए थे, जिसके कारण मकान सूना था। चोरों ने इसी का फायदा उठाकर रात में वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने घर के मुख्य दरवाजे और कमरों के ताले तोड़े। इसके बाद, अंदर रखी तीनों अलमारियों के ताले भी तोड़कर सारा सामान खंगाल दिया और कीमती जेवर लेकर फरार हो गए। परिजनों के अनुसार, लगभग एक महीने पहले परिवार में बेटी की शादी हुई थी। शादी के दौरान इस्तेमाल किए गए अधिकांश जेवर घर में ही रखे थे, जिन्हें चोरों ने चुरा लिया। चोरी हुए आभूषणों में तीन बहुओं के जेवर शामिल हैं, जिनमें तीन कनकती, तीन नथ, तीन टीका और पांच अंगूठियां बताई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, घर पर रखे बहन के आभूषण भी चोर ले गए, जिनमें एक नथ, एक जोड़ी पायजेब और एक कनकती शामिल है। परिवार ने यह भी बताया कि बेटी के एक जोड़ी सोने के कुंडल और झुमकी भी चोरी हो गए हैं। चोरी हुए जेवरों की कुल कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मकान का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि इलाके में पहले भी चोरी की घटनाएं हुई हैं, और रात्रि गश्त के अभाव में चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। संदिग्धों की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ऐश्वर्य शर्मा ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

भरतपुर (निस)। अगर दिल में हौसला और मन में दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। इसी कथन को सच कर दिखाया है लोहागढ़ के जयशंकर टाईगर क्लब के 11 वर्षीय खिलाड़ी ऐश्वर्य शर्मा ने, जिन्होंने बेहद साधारण परिवार से होने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

भारतीय ओलंपिक संघ से प्रवर्तक तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन में, दिल्ली ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 39वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर क्योरुगी ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2026 का आयोजन 13 से 15 जनवरी तक तालकटोरा इनडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में किया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से लगभग 1500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। चौंपियनशिप में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. ईश्वरी के. गणेश, महासचिव एडवोकेट आर.डी. मंगेश्वर, सह सचिव व इंटरनेशनल रेफरी मनोज कुमार (हरियाणा), उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव राजकुमार कश्यप, राजस्थान ताइक्वांडो एसोसिएशन अध्यक्ष उत्तम सैनी, महासचिव लक्ष्मण सिंह हाड़ा, दिल्ली ताइक्वांडो एसोसिएशन अध्यक्ष कुलदीप वत्स एवं महासचिव हर्षप्रिया सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। भरतपुर ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष एवं मार्शल आर्ट चौंपियन पवन पाराशर ने बताया कि जयशंकर टाईगर क्लब के लिटिल टाईगर ऐश्वर्य शर्मा लोहागढ़ जिला एवं राजस्थान राज्य के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण स्वर्ण पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर संघ सचिव इंजीनियर दीप्ति शर्मा ने जानकारी दी कि ऐश्वर्य ने फाइनल मुकाबले में उड़ीसा के खिलाड़ी को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने गुजरात, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश एवं पांडिचेरी के खिलाड़ियों को भी मात दी थी।

विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक

गंगापुर सिटी, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर आदर्श बस्ती में अलग-अलग जगह बैठक आयोजित की जा रही है। आदर्श बस्ती की महिला प्रभारी अंजना रावत की उपस्थिति में गंगापुर सिटी में होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन के उपलक्ष्य में आदर्श बस्ती की अग्रसेन कॉलोनी में बैठक आयोजित की गई।

जिसमें मंगल कलश यात्रा सह संयोजक सुधा गुप्ता के द्वारा बस्ती की महिलाओं को कार्यक्रम की रूपरेखा समझाकर बताया गया कि 1 फरवरी दोपहर 12 से 4 बजे तक विराट हिंदू सम्मेलन गुलकंदी देवी आदर्श विद्या मंदिर उदेई मोड़ पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें मंगल कलश यात्रा, हनुमान चालीसा, बौद्धिक कार्यक्रम,सांस्कृतिक कार्यक्रम ,संत उद्बोधन विविध प्रकार के कार्यक्रम रखे जाएंगे। उन्होने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में समरसता एवं राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का प्रयास करेंगे। विराट हिंदू हिंदू सम्मेलन के आदर्श बस्ती की महिला प्रभारी अंजना रावत ने आदर्श बस्ती की महिलाओं को सपरिवार इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा आने का आवा किया। सुधा गुप्ता ने बताया कि इस बस्ती में महिला सहसंयोजक पिंकी प्रजापत, शीला प्रजापत गंगा देवी पिंकी गुप्ता एवं लक्ष्मी जोशी को बनाया गया है। इस दौरान पिंकी प्रजापत, कमला प्रजापत, गुड्डी प्रजापत आदि मौजूद रहे।

सवाई माधोपुर स्थापना दिवस का आगाज आज से

- 17 से 19 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिला प्रशासन एवं पर्यटक विभाग द्वारा सवाई माधोपुर का 263वां स्थापना दिवस बाघ महोत्सव के रूप में 17 से 19 जनवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रमों की शुरुआत शनिवार को प्रातः 9 बजे रणथम्भौर दुर्ग स्थित श्री त्रिनेत्र गणेश की महाआरती से होगी। वहीं समापन 19 जनवरी की सांय जाने-माने गायक पद्मश्री कैलाश खेर की सूफी बंदिशों और रंगीन भव्य आतिशबाजी से होगा।

उप निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह ने बताया कि सवाई माधोपुर उत्सव के प्रथम दिन त्रिनेत्र गणेश जी की महाआरती के पश्चात प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक दशहरा मैदान में फोटो प्रदर्शनी और लाइव पेंटिंग आर्ट कैम्प का आयोजन होगा। वहीं दोपहर 12 बजे गणेशधाम भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र खिलचीपुर में पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन सांय 5 बजे रामेश्वरघाट पर दीपदान कार्यक्रम का आयोजन होगा। 18 जनवरी को प्रातः 8 बजे लवकुश वाटिका चौथ का बरवाड़ा में नेचर वॉक (प्रकृति की सैर), प्रातः 10 बजे पुलिस लाइन मैदान में फुटबॉल मैच, प्रातः 11 बजे दशहरा मैदान में अमरूद एक्सपो, दोपहर 2 बजे दशहरा मैदान में कन्हैया पद दंगल होगा।

'गौ माता भारतीय संस्कृति व सनातन परंपरा का मूल आधार'

हिण्डौन सिटी, (निसं)। पूर्वी राजस्थान के प्रसिद्ध गौ-प्रचारक पूज्य संत श्री वैष्णव दास जी महाराज के हिंडौन आगमन पर संत श्री श्री छैया दास जी महाराज के जलसैन आश्रम पर विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री सौरभ शुक्ला, जिला सह मंत्री शंभू दयाल समाधिया, यश शर्मा, महेंद्र शर्मा एवं स्वागत समारोह कार्यक्रम के संयोजक जलवा सिंह चौधरी ने माला पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर संत का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

विश्व हिंदू परिषद के प्रचार प्रसार प्रमुख नरेंद्र सिंह टटवाई ने बताया कि इस अवसर पर संत श्री वैष्णव दास जी महाराज ने उपस्थित गौ भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि देसी नस्ल की गौ माता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का मूल आधार है।

उन्होंने द्वापर युग का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे आराध्य श्रीकृष्ण भगवान ने गौ-सेवा को सामाजिक जीवन और मानव स्वास्थ्य से जोड़कर उसके महत्व को स्थापित किया। आज वही गोवंश उपेक्षा का शिकार है और बड़ी संख्या में निराश्रित अवस्था में इधर-उधर विचरण कर रहा है, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं में उनकी मृत्यु या घायल होने की घटनाएं हो रही हैं।विश्व हिंदू परिषद के सह मंत्री शंभू दयाल समाधिया तथा संत श्री श्री छैया दासजी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में गौ का अत्यंत धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व होने के बावजूद वर्तमान में गोवंश संरक्षण के लिए ठोस कदमों का अभाव है। उन्होंने अधिक से अधिक गौशालाएं खोलने, उनके लिए चारा-पानी की समुचित व्यवस्था करने तथा देशभर में प्रभावी गौ-संरक्षण कानून लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बहादुर सिंह गुर्जर ने सर्वे रिपोर्ट का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिए गए तो विशेषज्ञों के अनुसार वर्ष 2036 तक गोवंश का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है।

योग सत्र का आयोजन

भरतपुर, (निसं)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार महारानी श्री जया राजकीय महाविद्यालय, भरतपुर की एन.एस.एस. की चारों इकाइयों के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस साप्ताहिक कार्यक्रम के पाँचवे दिन योग एवं प्राणायाम सत्र का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुनीता पांडे की अध्यक्षता में हुआ। डॉ पांडे ने कार्यक्रम के आरंभ में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चित्तवृत्तियों का निरोध ही योग है। मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र कुमार रैकवार ने प्राणायाम और ध्यान के महत्व पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी गिरधारी लाल महावर, एवं उमाशंकर शर्मा तथा संकाय सदस्य डॉ नेहा मीणा व डॉ विनीता कुमारी उपस्थित रहे।

सात दिवस शिविर का हुआ शुभारंभ

- व्यक्तित्व विकास व राष्ट्र निर्माण में एनएसएस की भूमिका पर जोर

हिण्डौन सिटी, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय हिण्डौन सिटी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन 16 जनवरी से किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक करौली लोकेश सोनवाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि एम.एस.जे. कॉलेज भरतपुर के प्रोफेसर अशोक गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला समन्वयक एनएसएस करौली डॉ. रामलखन मीणा थे और अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पप्पू राम कोली ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी लोकेश सोनवाल ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में समर्पण और परिश्रम की भावना विकसित करता है, जिससे वे अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकते हैं।

प्रो. अशोक गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्वयंसेवकों को निस्वार्थ भाव से कर्तव्यों का निर्वहन करने और लक्ष्य गीत के माध्यम से प्रेरित किया। डॉ. रामलखन मीणा ने कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों का विकास एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से किया जाता है। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. पप्पू राम कोली ने बताया कि युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एनएसएस कार्यक्रम के माध्यम से स्वयंसेवक पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता और साइबर सुरक्षा जैसी वर्तमान चुनौतियों पर कार्य कर देश को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रितेश जैन ने जानकारी दी कि महाविद्यालय में एनएसएस की दो इकाइयों के विशेष शिविर 16 से 22 जनवरी तक संचालित होंगे, जिनमें योग-प्राणायाम, श्रमदान, गोद ली गई बस्तियों में जन-जागरूकता अभियान और विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। एम.एस.जे. कॉलेज भरतपुर से डॉ. पुजारी ठाकुर सिंह ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण और समाज व परिवार की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कठोर परिश्रम करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम अधिकारी शालिनी गुप्ता ने एनएसएस के आदर्श वाक्य स्वयं से पहले आप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वयंसेवक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य गंगाराम मीणा, मुकेश कुमार गोयल, डॉ. अनिल अठावाल, डॉ. दिनेश कुमार मीणा, डॉ. श्रीनिवास गुर्जर सहित अन्य शिक्षकगण और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सार-समाचार

दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की

भुसावर/भरतपुर (निसं)। भुसावर में मुस्कान एक पहल संस्था ने मकर संक्रांति पर 51 जरूरतमंद परिवारों को दैनिक उपयोगी सामठाी वितरित कर सेवा की नई मिसाल पेश की है। अरविन्द मित्तल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भामाशाहों के सहयोग से कंबल, राशन और मिठाइयां बांटी गईं। ईटामडा और भगवानपुर सहित कई गांवों के लोगों ने संस्था के 7 वर्षों के सेवा कार्यों और 12 प्रकल्पों की सराहना करते हुए आभार जताया। भुसावर। नर सेवा ही नारायण सेवा है, इस उक्ति को भुसावर की धरा पर श्मुस्कान एक पहलश् संस्था ने चरितार्थ कर दिखाया है। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जब पूरा देश दान-पुण्य की परंपराओं में लीन था, तब छौकरवाड़ा सड़क मार्ग स्थित किरोड़ी लाल मित्तल स्मृति न्यास भवन में मानवता का एक अनूठा संगम देखने को मिला। यहाँ संवेदना और सहयोग की जीवंत प्रतिमूर्ति बनी संस्था ने क्षेत्र के 51 निर्धन, असहाय, विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों के चेहरों पर वह मुस्कान बिखेरी, जिसकी कल्पना आधुनिक स्वार्थपरक युग में कम ही की जाती है। जन सहयोग की शक्ति से आयोजित इस भव्य सामठाी वितरण समारोह ने न केवल जरूरतमंदों की झोली भरी, बल्कि समाज के सामने सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश किया।

तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

हिण्डौन सिटी, (निसं)। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 को ब्लॉक स्तर पर पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चौपड़ सर्किल हिण्डौन में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने को लेकर शुक्रवार को तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, दायित्वों का निर्धारण एवं व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।बैठक में तय किया गया कि प्रातः 8 बजे समस्त राजकीय कार्यालयों एवं संस्थानों में ध्वजारोहण व राष्ट्रगान किया जाएगा। उपखण्ड अधिकारी कार्यालय एवं निवास पर विशेष व्यवस्थाएं नगर परिषद, सीडीपीओ, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी। मुख्य समारोह स्थल पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण व राष्ट्रगान होगा। मुख्य समारोह में मंच संचालन ज्योति शर्मा व देवी सहाय शर्मा करेंगे। इसके बाद प्रातः 9:15 बजे से स्काउट, गाइड, एनएसएस, एनसीसी व विद्यालय/महाविद्यालय की टीमों की परेड आयोजित होगी, जिसमें अभय विद्या मंदिर विद्यालय का बैण्ड दल भाग लेगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को नगर परिषद द्वारा पारितोषिक प्रदान किए जाएंगे। प्रातः 9:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनकी थीम देशभक्ति व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर आधारित रहेगी। कार्यक्रमों का चयन गठित समिति द्वारा किया जाएगा।प्रातः 10 बजे पारितोषण एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम होगा, जिसमें विशिष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात 10:15 बजे स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा।

झील स्मारिका का किया विमोचन

भरतपुर, (निसं)। श्री कैलादेवी क्षेत्र विकास संस्थान झील कावाडा का 41वां नेत्र ज्योति शिविर जिला अन्धता निवारण समिति भरतपुर एवं जीवन संस्था हिण्डौन सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 7 फरवरी शनिवार को आस्था की देवी सिद्धपीठ श्री कैला मईया झील कावाडा में आयोजित किया जा रहा है। मंत्री ब्रजकिशोर शर्मा ने बताया कि झील स्मारिका 2026 का विमोचन संस्था पदाधिकारी एवं गणमान्य बन्धुओं की उपस्थिति में हुआ जिसमें संस्था द्वारा किये गये वर्ष भर के धार्मिक कार्यों एवं सहयोगी भामाशाहों का विस्तृत विवरण अंकित है। शिविर संयोजक विष्णु लोहिया ने बताया कि संस्था द्वारा यह 41वां विशाल नेत्रज्योति शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में अनुभवी वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ अपनी टीम के साथ सेवाएँ देंगे, चिंहित लोगों का बिना टांके के लैंस प्रत्यारोपण आपरेशन निशुल्क किया जावेगा, संस्था की ओर से रोगियों के आवास, बिस्तर, दवाई, भोजन, बर्तन एवं चश्मे आदि की व्यवस्था भी निशुल्क रहेगी, रोगियों की जांचें एवं भर्ती 7 फरवरी शनिवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक झील का वाडा में की जावेगी, आपरेशन के एम.एस.आई हॉस्पीटल बयाना में किये जावेंगे।क अतः अधिक से अधिक रोगी पधारकर नेत्र शिविर का लाभ उठावें एवं अपने साथ आधार कार्ड की फोटो कापी लावें। इस मौके पर अध्यक्ष राधाकृष्ण विंदल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन मित्तल, मंत्री ब्रजकिशोर शर्मा, अंसार भाई आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा

भरतपुर, (निसं)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में बिना किसी तथ्यों के आधार पर बड़ी संख्या में एक षड्यंत्र के तहत असली मतदाताओं के नामों पर आपत्ति आवेदन ;फॉर्म नंबर 7 जमा कर्ताओं की जांच किए जाने के हेतु ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलेक्टर को कार्यालय में समस्त कांठोस कार्यकर्ताओं ने शहर अध्यक्ष डॉक्टर दयाचंद पचौरी की अध्यक्षता में ज्ञापन सौंपा गया । शहर अध्यक्ष डॉक्टर दयाचंद पचौरी ने मीडिया से रूबरू होकर बताया कि किस प्रकार भाजपा पार्टी द्वारा सुनियोजित तरीके से एक ही बूथ पर एक ही आपत्तिकर्ता 50 से भी अधिक आपत्ति लगा रहा है जबकि एक व्यक्ति को 10 से अधिक आपत्ति लगाना नियम के विरुद्ध है, एवं आपत्तिकर्ता के नम्बर स्विच ऑफ पाये जाते हैं साथ ही राजस्थान भर में हजारों आपत्ति फर्जी पाई जा रही है भाजपा द्वारा देशभर में वोट चोरी बडे पैमाने पर षडयंत्र रचा जा रहा है इनकी जांच तथा त्वरित कार्यवाही की जाए। जिसमें समस्त कांग्रेस जन और पीड़ित परिवार मौजूद रहे अवधेश शर्मा इंजीनियर जीवनलाल, संजय चंदेल, अशोक ताम्बी, महासचिव नदीम मलिक, अमित गौरावर, एके भटनागर, शाहिद खान, हेमेंद्र अंगिरा एडवोकेट, लक्ष्मी नारायण सैन, देवांश शर्मा आदि मौजूद रहे।

कीट-रोग नियंत्रण की दी जानकारी

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। ग्रामीण उद्यिमता कृषि जागरूकता योजनान्तर्गत कृषि महाविद्यालय भुसावर के विद्यार्थियों को दलहनी फसलों के फली छेदक कीट व छाछया रोग की पहचान व उनके नियंत्रण के बारे में बताया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ उदय भान सिंह ने बताया कि जनवरी माह में चना व मटर में फली छेदक कीट का प्रकोप होता है। इस कीट की गिडार आधी फली के अंदर घुस जाती है तथा शेष आधी बाहर लटकती रहती है। यह गिडार दाने को खाकर फली को खाली कर देती है। इस कीट के नियंत्रण के लिए इमीडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 200 ठाम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 600 से 800 लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। आसमान में बादल होने पर मटर में छाछया रोग लगने की संभावना रहती है। इसमें पौधे के तने, पत्तियों व फलियों पर सफेद चूर्ण की परत बन जाती है।

जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

करौली, (निसं)। सपोटरा क्षेत्र के डडेला की झोपड़ी गज्जू पुरा निवासी हीरालाल पुत्र कलुआ मीणा के गत 10 जनवरी को बूकना से सपोटरा रोड पर पेड़ मैं रस्सी डालकर फंदा लगाकर लटकने से हुई मृत्यु की निष्पक्ष जांच करने और निर्दोष को न्याय दिलाने एवं दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग को लेकर सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के करीब पांच दर्जन से अधिक गांवो के सर्व समाज के प्रमुख लोगों ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। सपोटरा के पूर्व विधायक सुखलाल मीना एवं सपोटरा के पूर्व प्रधान के नेतृत्व में सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के तेजराम मीणा शिव लहरी मीणा कैलाश मीणा मेघराज मीणा जोहरी लाल बत्ती लाल मीणा मोहनलाल मीणा हंसराज मीणा रामधन मीणा प्रकाश महावर कमल मीणा शिवराज मीणा हंसराज मीणा भारत लाल मीणा, सुरेश मीणा, देशराज, शिव कुमार, नरोत्तम लाल रामनिवास लक्ष्मण सिंह रामचरण बेरवा सुरेश चंद्र गुप्ता घनश्याम गुप्ता, लखन सिंह, रामजीलाल हरकेश मुनेश ठंडी मीणा सहित विधानसभा क्षेत्र के करीब 50 गांवो के सर्व समाज के प्रमुख लोगों ने ज्ञापन सौंपा।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा सूचना
सं. ईएल/50/एनआईटी/72 (2025-26)
दिनांक: 14.01.2026
भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि.मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या:** ईएल/50/291/2025-26, **कार्य का नाम:** RGM और अन्य ट्रैक मशीन साइडिंग के लिए मानक ट्रैक मशीन साइडिंग के निर्माण से संबंधित विद्युत कार्य का प्रावधान। (कोटा डिवीजन में CMU, SGZ, RMA, KOTA, GQL, KPTN, KPZ, IDG, RWJ, MLZ, NNW, HAN, JJA, BON, ATRU, CAG, BUDI, JNRI स्टेशन कोटा डिवीजन में – 18 स्टेशन), **अनुमानित लागत(रू.में):** 2,10,16,677.72, **बयाना राशि (रू.में):** 2,55,100/–, **कार्य समाप्ति अवधि:** 04 माह, **निविदा प्रस्तुत करने एवं खुलने की दिनांक तथा समय:** 06.02.2026 को 15.00 बजे तक एवं खुलने का समय 15.15 बजे। ऑफर केवल ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर स्वीकार किए जायेंगे। निविदा दाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना चाहिए एवं आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुएली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कण्डीशन्स एवं शर्तें अवश्य पढ लें।
हस्ता.
कृते वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुझे नहीं पता कि इसका प्रमुख कारण क्या था। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक मजबूत शख्सियत हैं और कड़े फैसले लेने से कतराते नहीं हैं। **- मनोज तिवारी**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, गौतम गंभीर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमन मोखाड़े

24 साल के विदर्भ के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ़ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए, मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली, जिससे न सिर्फ़ भारत में बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट फ़ैन्स में उत्साह पैदा हो गया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेकर जिम लेकर ने अपने नाम विश्व रिकॉर्ड वर्षों पहले दर्ज किया था। जो आज तक कोई भी गेंदबाज नहीं तोड़ सका है।

राष्ट्रीय खेल सम्मेलन 'सृजन' आज से, ओलंपियन लेंगे हिस्सा

जम्मू, 16 जनवरी। जम्मू-कश्मीर युवा सेवा एवं खेल निदेशालय शनिवार और रविवार को कन्वेंशन सेंटर में 'सृजन' थीम पर पहले दो दिवसीय राष्ट्रीय खेल सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन राष्ट्रीय खेल नीति 2025 की परिकल्पना के अनुरूप जम्मू-कश्मीर में खेलों के भविष्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना, जमीनी स्तर पर अभूतपूर्व भागीदारी और मजबूत प्रतिभा पहचान प्रणाली के रूप में जो परिवर्तन देखने को मिला है, यह सम्मेलन उसी गति को राष्ट्रीय मंच तक ले जाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर को खेल उत्कृष्टता और समावेशन के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में नीति-निर्माता, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि, प्रमुख संस्थान और अनुभवी खेल विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन का एजेंडा खेल प्रशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, जनभागीदारी बढ़ाने और सतत उत्कृष्टता के लिए मजबूत प्रणालियों के निर्माण पर केंद्रित रहेगा। अधिकारी के अनुसार, मुख्य चर्चाएं राष्ट्रीय खेल नीति 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन और खेलों को युवा विकास, सामाजिक एकता तथा राष्ट्र निर्माण के एक सशक्त माध्यम के रूप में उपयोग करने की रणनीतियों पर होंगी।

रणजी ट्रॉफी मैच के लिए चुनी गई आरसीए सीनियर टीम घोषित

जयपुर, 16 जनवरी। राजस्थान और एचपीसीए के बीच 22 से 25 जनवरी, 2026 तक अनंतम क्रिकेट ग्राउंड, जयपुर में खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए चुनी गई आरसीए सीनियर टीम की लिस्ट नीचे दी गई है: सलमान खान झालावाड़, शिवा चौहान श्रीगंगानगर, महिपाल लोमरोर (कैप्टन), नागौर, दीपक हुड्डा प्रोफेशनल, सीकर, मुकुल चौधरी कोटा, कुणाल सिंह राठौर श्रीगंगानगर, मानव सुथार (वाइस कैप्टन), श्रीगंगानगर, अजय सिंह कूकना जयपुर, अनिकेत चौधरी टोंक, खलील अहमद, अशोक शर्मा जयपुर, अमन सिंह शेखावत झुंझुनू, राहुल चाहर धौलपुर, जयदीप सिंह राठौर नागौर, शुभम गढ़वाल जोधपुर। स्टैंड बाय आकाश सिंह भरतपुर, राम मोहन चौहान नागौर, समर्पित जोशी उदयपुर, महेंद्र महला नागौर, हेमंत कुमार चूरू।

द्वितीय गुलाबी नगर ओपन शतरंज प्रतियोगिता आज से

जयपुर, 16 जनवरी। जयपुर चैस कोचिंग के तत्वावधान में 17 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक परिष्कार कॉलेज मान सरोवर जयपुर में द्वितीय गुलाबी नगर ओपन शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता 30 30 टाइम कंट्रोल के क्लासिकल फॉर्मेट में आयोजित की जा रही है.जिसमें 50000/-रूपये की ईनामी राशि दांव पर लगी हुई है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में राजस्थान के हर जिले से खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। जिनमें प्रमुख है - जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अलवर, दौसा, भरतपुर, सीकर, अजमेर, करौली, उदयपुर आदि. इसके अलावा गुजरात, हरियाणा आदि राज्यों से भी प्रविष्टि आ रही है। प्रतियोगिता में 6चक्र रखे गये है जिन्हें आवश्यकता होने पर बढ़ाया भी जा सकता है। विजेता खिलाड़ियों को नकद ईनाम के साथ ट्रॉफी भी दी जायेगी। टूर्नामेंट के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल अर्बीटर बी. पी. शर्मा रहेंगे। इस मौके पर जे डी सी ए के सचिव जयेन्द्र चतुर्वेदी, आशा भार्गव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

आरसीबी ने चिन्नास्वामी में एआई निगरानी वाले कैमरे लगाने का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 16 जनवरी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच कराये जाने की अनिश्चितता के बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के उपायों के तहत स्टेडियम में एआई निगरानी वाले कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएसएसीए) को भेजे गए एक आधिकारिक प्रस्ताव में आरसीबी ने स्टेडियम में एआई वाले 300 से 350 कैमरे लगाने का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार एआई वाली प्रणाली केएसएसीए और लॉ-एनफोर्समेंट एजेंसियों को भीड़ की मूवमेंट, कतारों और अंदर/बाहर जाने के द्वारों की निगरानी करने में मदद करेगा, साथ ही घटना के समय में अनाधिकृत प्रवेश की भी निगरानी करेगा। आरसीबी ने कहा है कि वह स्टेडियम में एआई वाले कैमरे लगाये जाने का पूरा खर्च उठाने के लिए तैयार है। केएसएसीए माइकल डीकुन्हा कमीशन की सिफारिशों को लागू करे। उल्लेखनीय है कि चार जून 2025 को आरसीबी के खिताब जीतने की खुशी के दौरान हुई भगदड़ के बाद से स्टेडियम में कोई प्रतियोगी क्रिकेट नहीं खेला गया है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार ने हाल ही में सुरक्षा जरूरतों का पालन न करने का हवाला देते हुए स्टेडियम में विजय हजारे ट्रॉफी मैच आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

म्बोको एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंची

कैनबरा, 16 जनवरी। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया, और सिर्फ़ 59 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। 19 साल की इस खिलाड़ी, जिन्हें 2025 में महिला टेनिस एसोसिएशन ने न्यूकमर ऑफ द ईयर चुना था।

भारत की नजरें लगातार दूसरी जीत पर

बुलावायो, 16 जनवरी। भारत अंडर19 शनिवार को यहां क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 के अपने दूसरे ग्रुप स्टेज मैच में बांग्लादेश अंडर 19 से भिड़ेगा। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत के बाद, नीली जर्सी वाले लड़के अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने के लिए फेवरेट हैं, फैंस हेनिल पटेल को बेसब्री से देख रहे हैं, जिनके शुरुआती मैच में शानदार प्रदर्शन ने सुर्खियां बटोरी हैं।

अमेरिका के खिलाफ अपने शुरुआती गेम में, भारत अंडर19 ने बारिश से प्रभावित हालातों को पार करते हुए 96 रनों के बदले हुए टारगेट का पीछा किया। कप्तान आयुष म्हात्रे और उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी सस्ते में निपट गए, लेकिन विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने 41 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर भारत को 6 विकेट से जीत दिलाई। लेकिन, सबसे ज़्यादा चर्चा 18 साल के हेनिल पटेल की रही, जिन्होंने अमेरिका की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने 7 ओवर में 16 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा तेज़, सटीक और शांत गेंदबाज़ी दिखाई। क्रिकेट फ़ैन्स और एक्सपर्ट्स ने इसे टूर्नामेंट में अब तक के सबसे शानदार बॉलिंग परफ़ॉर्मेंस में से एक बताया है। भारत की टीम, जिसमें कई आईपीएल-कैप्ड खिलाड़ी हैं, को इस कॉम्पिटिशन में सबसे मजबूत टीमों में से एक माना जा रहा है। हेनिल के अलावा, दीपेश देवेंद्रन और आरएस अंबरीश जैसे गेंदबाज़ों ने भी डिसिप्लिन्ड स्पेल से प्रभावित किया है, जबकि म्हात्रे की कप्तानी में बैटिंग ऑर्डर आक्रामक इरादे का वादा करता है।

दूसरी ओर, बांग्लादेश अंडर19 एक अलग कहानी लेकर आया है। 2020 के चैंपियन, जिन्होंने उस ऐतिहासिक फ़ाइनल में भारत को हराया था, इस टूर्नामेंट के लिए उनकी तैयारी ठीक नहीं रही है। उन्हें अंडर19 एशिया कप 2025 में पाकिस्तान से सेमीफ़ाइनल में भारी हार का सामना करना पड़ा, और उनके दो वार्म-अप मैच बारिश के कारण रद्द हो गए। उनके कैंपेन का ज़्यादातर दारोमदार ज़वाद अबरार पर है, जिन्होंने एशिया कप के चार मैचों में 224 रन बनाए, लेकिन लगातार अच्छा नहीं कर पाए हैं। अगर टाइगर्स को भारत की मजबूत टीम को चुनौती देनी है, तो कप्तान अज़ीज़ुल हकीम और ऑल-राउंडर कलाम सिद्दीकी अलीन को अच्छा खेलना होगा।

क्वींस स्पोर्ट्स क्लब की पिच बैटिंग-फ्रेंडली है, जिससे पूरी पारी में लगातार बाउंस मिलता है। तेज गेंदबाज शुरुआत में कुछ मूवमेंट दे सकते हैं, लेकिन खेल के दूसरे हाफ़ में स्पिनर खेल में आ सकते हैं। बादल छाए रहने और बारिश की 55 संभावना, और तापमान 17सेल्सियस से 22सेल्सियस के बीच रहने से मैच पर असर पड़ सकता है, खासकर बाद में बैटिंग करने वाली टीम पर। टीमों के बीच पिछले दो मुकाबलों में, दोनों टीमों ने एक-एक जीत हासिल की है। भारत अंडर19 की पिछली जीत दिसंबर 2024 में अंडर19 एशिया कप में बांग्लादेश के ख़िलाफ़ 59 रन की आरामदायक जीत थी, जो नीली जर्सी वाले लड़कों की कॉम्पिटिटिव एज को दिखाती है। इंडिया अंडर19 के अटैकिंग बैट्समैन और हेनिल की लीडरशिप में दमदार बॉलिंग अटैक के साथ, एनालिस्ट्स का अंदाज़ा है कि मुकाबला इंडिया के पक्ष में एकतरफ़ा होगा। रिकॉर्ड चैंपियन को चुनौती देने के लिए बांग्लादेश को ज़वाद और खास बॉलर्स से जबरदस्त परफॉर्मेंस की जरूरत होगी। इंडिया के आराम से जीतने की उम्मीद है, जिससे उनका कैंपेन ट्रैक पर रहेगा और बाकी टीमों को एक मजबूत मैसेज जाएगा।

फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ अभ्यास किया

मेलबर्न, 16 जनवरी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद, रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे।

फेडरर, जिन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था।

44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे। फेडरर शनिवार को रॉड लेवर एरिना में टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी मैच खेलने वाले हैं, जिसमें तीन अन्य एटीपी नंबर 1 क्लब सदस्य भी शामिल होंगे: आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट।

हम्बर्ट ने सेमीफाइनल थ्रिलर में टॉप सीड डेविडोविच फोकिना को हराया

एडिलेड, 16 जनवरी। उगो हम्बर्ट ने शुक्रवार रात को एडिलेड इंटरनेशनल में अपने डेब्यू खिताब की उम्मीद को यादगार तरीके से ज़िंदा रखा, जब उन्होंने एक तनावपूर्ण निर्णायक-सेट टाई-ब्रेक में टॉप सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराया।

फ्रेंच खिलाड़ी ने रोशनी में मज़बूती से खेलते हुए 6-3, 5-7, 7-6(4) से जीत हासिल की और अपने 11वें एटीपी टूर फाइनल में जगह बनाई। शनिवार की चैंपियनशिप में, हम्बर्ट आठवें एटीपी टूर खिताब की तलाश में टॉमस मचाक का सामना करेंगे, जिनके खिलाफ लेक्सस हेड2हेड सीरीज़ में उनका रिकॉर्ड 1-0 है।

हम्बर्ट ने भीड़ से कहा, "मुझे लगा कि मैं आधा ऑस्ट्रेलियाई हूँ, इसलिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।" "माहौल बहुत अच्छा था, मैंने कोर्ट पर अपने समय का बहुत आनंद लिया। यह एक शानदार मैच था, फोकी ने बहुत अच्छे लेवल पर खेला, और मैं बहुत खुश हूँ कि मैं यहाँ फाइनल में हूँ।"

डेविडोविच फोकिना के लिए, यह हार टूर्नामेंट के आखिरी पड़ाव पर एक और दुखद करीबी हार थी। एटीपी रैंकिंग में नंबर 15 खिलाड़ी को निर्णायक-सेट टाई-ब्रेक में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जो जुलाई में वाशिंगटन में मिली हार के बाद हुई, जब उन्होंने फाइनल में एलेक्स डी मिनौर के खिलाफ तीन चैंपियनशिप पॉइंट गंवा दिए थे - यह 2025 में उनके द्वारा खेले गए चार टाइटल मैचों में से एक था, क्योंकि वह अपने पहले एटीपी टूर ट्रॉफी की तलाश जारी रखे हुए हैं।

शुक्रवार को इससे पहले, मचाक ने दूसरे सीड टॉमी पॉल को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की, और एडिलेड में अपनी वापसी जारी रखी। चेक खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में अतिरिक्त जोश दिखाया और अपने तीसरे एटीपी टूर फाइनल में पहुँचे, और पिछले फरवरी में अकापुल्को में ट्रॉफी जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। दोनों सेमीफाइनलिस्ट 2025 सीज़न के चुनौतीपूर्ण आखिरी दौर के बाद एडिलेड में मोमेंटम की तलाश में आए थे। पॉल पैर की चोट के कारण साल के आखिरी तीन महीने नहीं खेल पाए थे और पिछले हफ़्ते ब्रिस्बेन में वापसी की, जबकि मचाक ने अक्टूबर में शंघाई से चली आ रही चार मैचों की हार का सिलसिला ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ के खिलाफ पहले राउंड में जीत के साथ तोड़ा।

महिलाओं की कोचिंग आसान नहीं रही : अभिषेक नायर

नवी मुंबई, 16 जनवरी। डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सीजन से पहले यूपी वॉरियर्ज़ (यूपीडब्ल्यू) के हेड कोच का पद संभालने वाले अभिषेक नायर ने स्वीकार किया कि उनके शुरुआती कुछ दिन "आसान नहीं" थे। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट में उन्हें उम्मीद से ज़्यादा "हैंड्स-ऑन" (सीधे तौर पर शामिल) रहने की जरूरत पड़ी है।

यूपीडब्ल्यू के अभियान की शुरुआत खराब रही, और उन्होंने लगातार तीन मैच हारे, लेकिन गुरुवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के ख़िलाफ जीत हासिल की। पहले कुछ बड़ी पुरुष टीमों, जिनमें आईपीएल की कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम भी शामिल है, के कोच रह चुके नायर के लिए महिला टीम के साथ यह पहला पूर्णकालिक रोल है। हालांकि वह पिछले कुछ वर्षों में यूपीडब्ल्यू के कुछ ट्रेनिंग कैंप का हिस्सा रहे थे।

नायर ने कहा, "मैं इसे समझने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे लगता है कि इस जॉब को लेने से पहले मैंने जिन कोचों से बात की थी, उन्होंने मुझसे कहा था, सुनो, सीधे बात करना। पुरुष क्रिकेट में कभी-कभी, क्योंकि आपने उनके साथ लंबे समय तक काम किया होता है, वहां एक भरोसा होता है। इसलिए आप कोई बात कहते हैं, जैसे सुनो, कवर के ऊपर से मारो, तो वे जानते हैं कि किस गेंद पर ऐसा करना है और कैसे करना है। महिला क्रिकेट में, मुझे लगता है कि बारीकियों पर ध्यान थोड़ा ज़्यादा देना पड़ता है। इसलिए कभी-कभी आपको बातों को कई तरह से समझाना पड़ता है और यह उतना स्पष्ट नहीं होता जितना आप सोचते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह ज़्यादा सीधे जुड़ाव वाला (हैंड्स-ऑन) काम है।"

नायर ने कहा कि पुरुषों को कोचिंग देने की तुलना में महिलाओं को कोचिंग देने में ज़्यादा बातचीत की जरूरत होती है और उन्होंने अपने सामने आई चुनौतियों के उदाहरण के तौर पर हालिया हरलीन देओल रिटायर्ड-आउट स्थिति की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, "मैं हर दिन ख़ुद को भी सिखा रहा हूं कि, सुनो अभिषेक, अपना मुंह खोलो, बात करो, और कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। वे (खिलाड़ी) इसके लिए बहुत तैयार रहती हैं। यह अद्भुत है। पुरुष क्रिकेट में आपको सावधान रहना पड़ता है कि क्या बात करनी है, क्या नहीं। मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट में, वे बहुत ग्रहणशील हैं। इसलिए आप वास्तव में उनसे बात कर सकते हैं। आप उन बारीकियों में जा सकते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि भरोसे में समय लगता है और मैं उस पर काम कर रहा हूं।

मेरा मतलब है, हरलीन और ऐसी चीजें होती हैं और बातें बाहर आती हैं और यह मेरे लिए कठिन हो जाता है। यह अलग है, यह मज़ेदार है, यह चुनौतीपूर्ण है। यह हर तरह से मेरी परीक्षा ले रहा है और एक तरह से मुझे आईपीएल के लिए भी अलग तरीके से तैयार कर रहा है। लेकिन मैं कहूंगा कि यह आसान नहीं रहा है।"

नायर ने यूपीडब्ल्यू की नई कप्तान मेग लेनिंग की भूमिका के बारे में बात की, जिन्होंने शुरुआती हार से टीम को बाहर निकालने में मदद की और उनकी काम करने की नैतिकता और दृष्टिकोण की तारीफ की। नायर ने कहा, "कोच हमेशा एक माहौल और सिस्टम बनाने की भूमिका निभाते हैं।

होगाम का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को आठ विकेट से पीटा

नई दिल्ली, 16 जनवरी। अंडर-19 विश्वकप लीड ऑस्ट्रेलिया विंडहोक, 16 जनवरी। स्टीवन होगान (नाबाद 115) की शानदार शतकीय पारी और उनकी नितेश सैमुअल (नाबाद 77) के साथ दूसरे विकेट के लिए 186 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष अंडर-19 विश्व कप के पांचवें मुकाबले में शुक्रवार को आयरलैंड को 62 गेंद शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। आयरलैंड ने रॉब ओब्रायन (79) और फ्रेडी ओगिल्बी (49) की जुझारू पारियों के दम पर सात विकेट पर 235 रन का सम्मानजक स्कोर बनाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 39.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 237 रन बनाकर एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया। होगान ने 111 गेंदों पर 115 रन की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। नितेश ने होगान का बखूबी साथ देते हुए 101 गेंदों पर 77 रन में एक भी बॉउंड्री नहीं लगाई। ओलिवर पीक 15 रन पर नाबाद रहे। विल मालाजुक 22 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के लिए फ्रेडी ओगिल्बी और जेम्स वेस्ट की सलामी जोड़ी ने धीमी शुरुआत के साथ पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। 10वें ओवर में जॉन जेम्स ने जेम्स वेस्ट (11) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 18वें ओवर में सेबेस्टियन डिज्क्स्ट्रा (12) रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

उभरते हुई स्टार एंड्रीवा, म्बोको फाइनल में खेलेगी

कैनबरा, 16 जनवरी। रूस की मिर्रा एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज़्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पार्टनर डायना श्नाइडर को 6-3, 6-2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह डब्ल्यूटीए टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। एंड्रीवा ने एडिलेड में अपने तीनों मैचों में एक भी सेट नहीं हारा है और हर मैच में उनकी सर्विस सिर्फ़ एक बार टूटी है। शुक्रवार को, रूसी खिलाड़ी ने श्नाइडर की तुलना में नौ ज़्यादा विनर्स लगाए और 10 कम अनफ़ोर्स्ड एरर किए, जो फिलहाल दुनिया में 23वें स्थान पर हैं। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने स्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया, और सिर्फ़ 59 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। एंड्रीवा शनिवार के फाइनल में अपने चौथे डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब के लिए खेलेंगी, जबकि म्बोको अपने तीसरे खिताब के लिए खेलेंगी।

राज सिंह डूंगरपुर अंडर-14 ट्रॉफी राजस्थान-छत्तीसगढ़ मैच ड्रॉ

जयपुर, 16 जनवरी। इंदौर में खेले जा रहे राजस्थान - छत्तीसगढ़ अंडर 14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज गौरव पुनिया ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान पहली पारी 213 आल आउट

टीम के लिए उत्सव शर्मा 47, अभिमन्यु चौधरी नाबाद 36, अनमोल शर्मा 33, मयूर शर्मा 29, दिव्यांशुधतरवाल27 व गौरव पुनिया 19 रनो का योगदान दिया।

छतत्तीगढ़ के गेंदबाज हर्ष साहू 48 / 4

छत्तीसगढ़ पहली पारी 245 आल आउट

टीम के लिए शौर्य जायसवाल 102, अभिनव यादव नाबाद 76 रन।

राजस्थान के गेंदबाज गौरव पुनिया ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छत्तीसगढ़ के 8 बल्लेबाजों को पैवलियन पहुँचाया। टीम के लिए गौरव पुनिया 41 / 8 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान दूसरी पारी 101 / 1

टीम के लिए आदित्य यादव नाबाद 59 व आदित्य (एस पी) यादव 36 रन।

हिंदुस्तान बॉक्स क्रिकेट फेडरेशन का हुआ गठन

भारत में बॉक्स क्रिकेट खेले जाएंगे नियमानुसार

जयपुर, 16 जनवरी। हिंदुस्तान बॉक्स क्रिकेट फेडरेशन के सत्र 2026-2030 के लिए चुनाव आज जयपुर स्थित आरसीए हॉस्टल, सवाई मानसिंह स्टेडियम में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत सफलतापूर्वक संपन्न हुए। यह संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी अनिरुद्ध सिंह की देखरेख में आयोजित की गई, जिसमें फेडरेशन के संविधान एवं नियमों का पूर्ण रूप से पालन किया गया। डॉ. आशुतोष पंत बने अध्यक्ष, डॉ आदित्य नाग, अशोक कुमार आसेरी, डॉ गजेन्द्र सिंह राठौड़ उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ महासचिव एवं रमेश सिंह बने कोषाध्यक्ष।

चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही फेडरेशन की नई गवर्निंग बॉडी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से डॉ. आशुतोष पंत को अध्यक्ष, पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को महासचिव तथा रमेश सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही गजेंद्र सिंह राठौड़, अशोक कुमार आसेरी एवं डॉ. आदित्य नाग को उपाध्यक्ष, रोहित झालानी और अमित कुमार खंडेलवाल को संयुक्त सचिव तथा अरुण कुमार सिंह, राजनेश कुशवाहा सिंह एवं लक्ष्य पंत को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया।

फेडरेशन के प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रतियोगिता संचालन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया। अखिल गर्ग को रेफरी बोर्ड का प्रभारी नियुक्त किया गया, जो अंपायरिंग एवं रेफरी व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप संचालित करेंगे। हर्षित यादव को चयन समिति एवं तकनीकी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि मोहित शर्मा एवं हितेश शर्मा को चयन समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया, जिन्हें पहले से निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार खिलाड़ियों के चयन एवं मूल्यांकन की अहम भूमिका सौंपी गई है। के. के. प्रधान को टूर्नामेंट कमेटी का डायरेक्टर नियुक्त किया गया, जो राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की योजना और निगरानी करेंगे। वहीं अकील अहमद को टूर्नामेंट अरेंजमेंट कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, जिन्हें प्रतियोगिताओं की व्यवस्थाओं, मैदान, लॉजिस्टिक्स एवं आयोजन प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है।

फेडरेशन ने बताया कि बॉक्स क्रिकेट एक आधुनिक एवं संगठित क्रिकेट प्रारूप है, जिसे द्वारा जारी आधिकारिक के अनुसार संचालित किया जाता है। यह खेल सीमित एवं नेट से घिरे मैदान में खेला जाता है, जिससे खेल तेज़, सुरक्षित और समयबद्ध बनता है। प्रति टीम 11 खिलाड़ी होते हैं, जिनमें से 8 खिलाड़ी मैदान में खेलते हैं और 3 रिज़र्व रहते हैं। सॉफ्ट या टेनिस बॉल के उपयोग से खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है, जिससे यह खेल सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए उपयुक्त बनता है।

की नियम पुस्तिका के अनुसार बॉक्स क्रिकेट को तीन प्रमुख कैटेगरी में विभाजित किया गया है- (पुरुष वर्ग), (महिला वर्ग) और (मिक्स्ड वर्ग)। मिक्स्ड कैटेगरी में पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों की भागीदारी अनिवार्य है, जिसमें न्यूनतम 6 पुरुष एवं 5 महिला खिलाड़ियों का होना आवश्यक है। इसका उद्देश्य खेल में लैंगिक समानता, सहभागिता और समावेशिता को बढ़ावा देना है। नवगठित कार्यकारिणी और समितियों के नेतृत्व में हिंदुस्तान बॉक्स क्रिकेट फेडरेशन का लक्ष्य बॉक्स क्रिकेट को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान दिलाना, युवाओं को संगठित खेल मंच प्रदान करना और खेल को पूरी तरह पेशेवर स्वरूप में विकसित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी उपस्थित थे।

राजीविका की प्रत्येक बहन पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बना रही है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बजट पूर्व संवाद किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दो हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि आजीविका संवर्धन हेतु प्रदान की गई।**

जयपुर, 16 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। राजस्थान में भी राजीविका के माध्यम से महिलाएं प्रदेश के विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राजीविका की प्रत्येक बहन पारिवारिक आय बढ़ाने में योगदान दे रही है और पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बना रही है। शर्मा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में भी आधी आबादी की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजीविका की लगभग 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। इनमें से मिलेनियर दीदी भी बन रही हैं। स्वयं सहायता समूहों ने सिद्ध कर दिया है कि महिलाएं बेहतरीन प्रबंधक और उद्यमी हैं। साथ ही, महिलाओं ने ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने की मजबूरी से भी मुक्ति पाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 51 लाख ग्रामीण परिवारों को 4 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। साथ ही, 32 हजार ग्राम संगठन और 1 हजार से अधिक क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से राजीविका का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत, लगभग 36 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि आजीविका संवर्धन हेतु प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन और गैर-कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए साढ़े 3 हजार से अधिक उत्पादक समूहों का गठन किया गया है। इनके माध्यम से लगभग 3 लाख परिवारों को कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों में जोड़ा गया है। किसान परिवार की महिलाएं पशुपालन भी करती हैं। इसलिए हमारी सरकार पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दे रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, स्टेट मिशन निदेशक स्वयं सहायता समूह नेहा गिरि सहित, अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में राजीविका महिलाएं उपस्थित थे।

'एस आई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक केस के कई इनामी आरोपी विदेशों में छिपे हैं'

'ऐसे में इस मामले की जाँच संभवतः कई सालों तक चलेगी, फिर भी दूध का दूध पानी का पानी नहीं होगा'

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 16 जनवरी। राजस्थान हाई कोर्ट में एस आई भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द किए जाने के खिलाफ व संबंधित मामलों में आज सुनवाई जारी रही। परीक्षा रद्द करने के पक्ष में मूल याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि इस मामले में एकल पीठ का आदेश दुरुस्त इसलिए है, क्योंकि वह एस आई टी की जांच रिपोर्ट की विस्तृत व तथ्यों को देखते हुए दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर वी सिंह , उनके सहायक अधिवक्ता जय वरदान सिंह और हरिंदर नील ने अदालत को बताया कि एसआईटी की रिपोर्ट कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं, बल्कि एक विस्तृत जांच है, जिसमें साफ तौर पर बताया गया है कि एस आई भर्ती परीक्षा के तीनों दिन बड़े ही विस्तृत तौर पर पेपर लीक हुआ, चीटिंग की गई।

- **एस आई भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण की सुनवाई के दौरान मूल याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि इस परीक्षा में बड़े स्तर पर चीटिंग और पेपर लीक किया गया था और तत्कालीन राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण नियमों और नीतियों को नज़रअदांज़ करते हुए निजी व्यक्तियों को परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त किया था।**
- **इनमें से कुछ व्यक्तियों पर तो पहले भी पेपर लीक करने के आरोप थे।**
- **याचिकाकर्ताओं ने कहा, परीक्षा के पहले दिन बीकानेर से पेपर लीक गिरोह ने वॉटसऐप और इंटरनैट के जरिए अलग-अलग केन्द्रों पर पेपर बेच दिया था, इस पर एफआईआर भी हुई थी और फिर भी आरपीएससी ने पेपर रद्द कराने के संदर्भ में कोई कदम नहीं उठाया। परीक्षा आयोजित कराने की पूरी प्रणाली टूट चुकी थी और पेपर लीक गिरोह की सांठ-गांठ के साथ ही चल रही थी।**

उन्होंने बताया कि एस आई भर्ती परीक्षा के पहले दिन 13/09/2021 को बीकानेर के राम सहाय सेकेंडरी स्कूल से पूरव कालेर और तुलसा राम कालेर गैंग ने स्कूल के प्रिंसिपल और अधीक्षक के साथ मिलकर परीक्षा शुरू होने से पहले पेपर चुराया और वॉट्सऐप व अन्य ऑनलाइन माध्यमों के जरिए अलग अलग केन्द्रों में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के हाथ पेपर बेचा। इस वारदात के खिलाफ न केवल बीकानेर में एफ आई आर दर्ज की गई थी, बल्कि कई सौ किलोमीटर दूर पाली में भी एफ आई आर दर्ज करी गई, क्योंकि वहां के अभ्यर्थियों के साथ भी यही पेपर कालेर गैंग द्वारा साझा किया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि आर पी एस सी के अधिकारियों व अध्यक्ष ने इतनी बड़ी वारदात को नज़रअंदाज़ किया और पेपर रद्द किए जाने के पक्ष में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यह स्वयं ही स्पष्ट करता है कि परिक्षा निष्पक्ष रूप से कराने की प्रणाली ऊपर से लेकर नीचे तक टूट चुकी थी और पेपर लीक गिरोह से सांठगांठ के साथ चल रही थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि परीक्षा के दूसरे दिन 14/09/2021 को जयपुर के बाल भारती स्कूल से पेपर लीक कराया गया, जिसमें परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार सेंट्रल सुपरिटेंडेंट राजेश खंडेलवाल की अहम भूमिका बताई जाती है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि राजेश खंडेलवाल ने ही बाल भारती स्कूल में यूनिक भांभू को अधीक्षक और इनविजिलेटर के पद पर नियुक्त कराया, जिसने स्कूल के प्रिंसिपल के दफ्तर से पेपर के फोटो खींच कर लीक करे। उल्लेखनीय है कि भांभू एक सरकारी अफसर नहीं, बल्कि कई पेपर लीक मामलों में मुख्य आरोपी है। उन्होंने कहा कि भांभू विदेश में छिपा हुआ इनामी आरोपी है, जिसे आज तक पकड़ा नहीं गया है। उन्होंने यह भी बताया कि एस ओ जी की रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट है कि भांभू ने पेपर जगदीश बिश्नोई गैंग को बेचा था, जिसने पूरे प्रदेश में फैले हुए तंत्र की मदद से कई परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों को पेपर मुहैय्या कराया और एक चलती वैन में बैठे परीक्षा पेपर का समाधान लिखने वाले समाधानकर्ताओं की मदद से परीक्षा में उत्तर लिखने की गैर कानूनी सुविधा भी मुहैय्या कराई। उन्होंने कहा कि जगदीश बिश्नोई गैंग ने सुरेश ढाका गैंग को भी पेपर बेचा था, जिसने रंगोली गार्डन्स में छिपे हुए अपने गिरोह के साथियों की मदद से कई और अभ्यर्थियों को बेचा और समाधान भी दिया। एस ओ जी की जांच में यह भी लिखा है कि सुरेश ढाका, जो इस मामले में मुख्य आरोपी है, भी फरार है और विदेश में छुपा हुआ है, जिसपर एक लाख रुपए का इनाम भी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि जब इस मामले के मुख्य आरोपी ही नहीं पकड़े गए है तो राज्य सरकार जांच पूर्ण कब और कैसे करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच कई वर्षों तक जारी रह सकती है, परंतु दूध का दूध पानी का पानी नहीं होगा। इस मामले में सुनवाई सोमवार को भी जारी रहेगी, हालांकि अदालत ने महाधिवक्ता को मौखिक रूप से दिए गए आदेश कि, अपीलें दायर किए जाने के बाद से पुलिस ने एस आई भर्ती प्रकरण में कितने और आरोपियों को गिरफ्तार किया और इंटेरोगेट किया, इसकी जानकारी साझा करने पर आज जोर नहीं दिया, परंतु हो सकता है सोमवार को राज्य सरकार की ओर से यह जानकारी अदालत में साझा की जाए।

राष्ट्रमंडल देशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास यात्रा, लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मूल्यों पर भी सकारात्मक संवाद किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से प्रदेश की वैश्विक पहचान सशक्त होती है तथा पर्यटन, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा प्रतिनिधियों के स्वागत एवं प्रवास के लिए व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ की गई हैं, ताकि अतिथियों को एक यादगार और सुखद अनुभव मिल सके। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि शनिवार सायंकाल कांस्टीट्यूशन क्लब में अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुतियाँ होंगी। रात्रि भोज में राज्यपाल हरि भाऊ बागड़े, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव सहित, अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

दिग्गी राजा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल पूरे कर चुके हैं। 2003 में राज्य में कांग्रेस की सत्ता से विदाई के बाद, दिग्विजय सिंह ने अगले 10 वर्षों तक चुनाव न लड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद उन्होंने 2013 में सक्रिय राजनीति में वापसी की और 2014 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए।

सहायक अभियोजन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचारणीय नहीं है, बल्कि उत्तर पुस्तिका की जांच की प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

याचिका में कहा गया कि आरपीएससी ने सहायक अभियोजक अधिकारी के 180 पदों के लिए भर्ती निकाली थी, जिसकी मुख्य परीक्षा में तीन हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे, लेकिन इनमें से सिर्फ चार अभ्यर्थियों को ही पास घोषित किया गया। आयोग के परीक्षा परिणाम के अनुसार, अधिकांश अभ्यर्थी तय न्यूनतम अंक भी हासिल नहीं कर पाए, जबकि इस परीक्षा में कई ऐसे अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिन्होंने पूर्व में सिविल जज की लिखित परीक्षा पास की थी। ऐसे में आयोग की ओर से जारी यह परिणाम मनमाना और अव्यावहारिक है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पूर्व में सफल अभ्यर्थियों और दस असफल अभ्यर्थियों की कॉपी पेश करने के आदेश दिए थे।

तृणमूल नेता मुकुल रॉय को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

- **सुप्रीम कोर्ट ने मुकुल रॉय को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।**

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कोलकाता उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें वरिष्ठ राजनेता मुकुल रॉय को दलबदल विरोधी कानून के तहत पश्चिम बंगाल विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मुकुल रॉय के बेटे शुभ्रांशु रॉय की ओर से दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। पीठ ने निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय का फैसला फिलहाल स्थगित रहेगा।

मुकुल रॉय ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर कृष्णनगर उत्तर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। उन पर आरोप लगाया गया था कि वह बाद में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक अंबिका रॉय ने उन्हें अयोग्य ठहराने के लिए याचिकाएं दायर की थीं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष ने हालांकि रॉय को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद अधिकारी ने कोलकाता उच्च न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को रद्द कर दिया था और रॉय को अयोग्य घोषित करने का आदेश दिया था।

याचिकाकर्ता की ओर से उच्चतम न्यायालय में पेश हुए अधिवक्ता प्रीतिका द्विवेदी ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने एक मौजूदा विधायक को अयोग्य घोषित करने का निर्देश देकर न्यायिक समीक्षा की अपनी सीमित शक्ति का उल्लंघन किया है।

मारिया मचाडो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया!

दूसरी ओर नोबेल समिति और नोबेल संस्थान ने आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि एक बार नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने के बाद उसे हस्तांतरित, साझा या रद्द नहीं किया जा सकता है।

नोबेल समिति ने उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दी जिनमें कहा गया था कि मारिया कोरिना मचाडो ने 15 जनवरी, को व्हाइट हाउस में अपनी मुलाकात के दौरान अपना पदक ट्रंप को उपहार के रूप में सौंप दिया। समिति ने कहा, "एक बार नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद, इसे रद्द नहीं किया जा सकता, न ही साझा किया जा सकता है और न ही दूसरों को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहता है।"

मुम्बई और पुणे में भाजपा बहुमत के करीब

जनता ने ठाकरे बंधुओं और पवार परिवार की एकता में रूचि नहीं दिखाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **खबर लिखे जाने तक बीएमसी चुनावों में भाजपा का गठबंधन 115 सीटों पर आगे है और ठाकरे बंधु 77 सीटों पर आगे चल रही थी, उसी प्रकार पुणे में भी एनसीपी मात्र 6 वार्डों में आगे है और भाजपा 80 वार्डों में आगे चल रही है।**

नई दिल्ली, 16 जनवरी। महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनावों की मतगणना के बीच मुंबई की बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) में भाजपा गठबंधन ने आधे से अधिक सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके बाद ठाकरे चचेरे भाई आते हैं। अभी मतगणना जारी है।

पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़, जो शरद पवार और अजित पवार के गढ़ माने जाते हैं, के चुनावों में पवार परिवार के पुनर्मिलन की रणनीति बड़ी हद तक नाकाम होती दिख रही है, क्योंकि दोनों ही शहरों में भाजपा ने बड़ी बढ़त बना ली है। एनसीपी के दोनों गुटों के मिल जाने से इन दोनों नगर निगमों में पवार-परिवार के आसार बहुत अच्छे माने जा रहे थे।

बीएमसी में भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन 115 वार्डों में आगे है। भाजपा 86 वार्डों में बढ़त बनाए हुए है, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना 29 वार्डों में आगे है।

ठाकरे चचेरे भाई 77 वार्डों में पीछे हैं और इस धनवान नगर निकाय पर नियंत्रण बनाए रखने के उनके प्रयास सुस्त दिख रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना 71 वार्डों में आगे है, जबकि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) छह वार्डों में बढ़त पर है।

ताज़ा रुझानों के अनुसार, पुणे में भाजपा 80 वार्डों में आगे है। पवारों के गठबंधन में एनसीपी (अजित पवार) केवल छह वार्डों में आगे है, जबकि एनसीपी (शरद पवार) तीन वार्डों में बढ़त पर है। कांग्रेस तीन वार्डों में आगे है और वह ठाकरे भाइयों (उद्धव की शिवसेना और राज की मनसे) के साथ गठबंधन में है, जो किसी भी वार्ड में आगे नहीं हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना पुणे नगर निगम चुनाव अकेले लड़ रही है और अब तक किसी भी वार्ड में आगे नहीं है।

पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम, जिसे बीएमसी के बाद सबसे समृद्ध माना जाता है, वर्ष 2017 से शरद पवार की अविभाजित एनसीपी के पास रहा है। लेकिन आक्रामक प्रचार के बावजूद, पवार इस गढ़ को भी खोते नजर आ रहे हैं। एनसीपी (अजित पवार) 37 सीटों पर आगे है, जबकि एनसीपी (शरद पवार) केवल एक वार्ड में बढ़त बनाए हुए है। दूसरी ओर, भाजपा 77 वार्डों में आगे निकल चुकी है।

पिंपरी-चिंचवाड़ में दोनों ठाकरे मिलकर केवल एक वार्ड में आगे हैं, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना 10 वार्डों में बढ़त पर है। ताज़ा रुझानों के अनुसार, कांग्रेस अब तक किसी भी वार्ड में बढ़त नहीं बना पाई है।

चाचा-भतीजे, जो पहले एनसीपी के हिस्से के रूप में साथ काम कर चुके थे, 2023 में अलग हो गए थे, जब अजित पवार ने महाराष्ट्र में भाजपा से गठबंधन कर लिया था। शरद पवार गुट की एनसीपी राज्य और केन्द्र दोनों में विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही है।

पिछले वर्ष महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की भारी जीत के बाद, दोनों के बीच सुलह की मांगें उठने लगी थीं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908